www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
11 जून 2026
वर्षः 49
अंकः 49 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

टीएमसी में टूट जारी एक और इस्तीफा

● अब राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने छोड़ दी टीएमसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में लगातार टूट जारी है। बुधवार को राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने पार्टी और पद से इस्तीफा दे दिया। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया है। पिछले 3 दिनों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़ चुके हैं। इससे पहले 8 जून को सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था, पार्टी भी छोड़ दी थी। टीएमसी के लोकसभा में 28 में से 20 सांसद और राज्यसभा में 13 में से 2 सांसद यानी कुल 22 सांसद टूट चुके हैं। 3 जून को बंगाल के 80 में से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। इस गुट ने ऋतब्रत को अपना नेता बनाया है। इस बीच ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की। एक दिन पहले ममता सोनिया गांधी से मिलीं थीं।

काबा मदीना गाने वालीं सायोनी भी हुई बागी– टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी को जल्द ही एक बहुत बड़ा झटका लग सकता है। खबर है कि लोकसभा सांसद सायोनी घोष अब बागी गुट में शामिल हो सकती हैं। हाल ही में काबा-मदीना गाकर घोष सुर्खियों में आ गई थीं। कहा जा रहा है कि इस संबंध में उन्होंने सांसद काकोली घोष दस्तीदार से भी संपर्क किया है।

भारत का पहला एआई डेटा सेंटर बनाएगी रिलायंस और मेटा

● जामनगर में 168 मेगावाट क्षमता वाला प्लांट बनेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेटा भारत में अपना पहला एआई-इनेबल्ड डेटा सेंटर बनाने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी कर रही है। इस पार्टनरशिप के तहत गुजरात के जामनगर में 168 मेगावाट क्षमता का डेटा सेंटर तैयार किया जाएगा, जिसे दो साल के भीतर डिलीवर करने का लक्ष्य है। इस साझेदारी के तहत रिलायंस जामनगर में डेटा सेंटर को पूरी तरह से विकसित करेगी। रिलायंस

प्रोजेक्ट के लिए डिजाइन, कंस्ट्रक्शन, यूटिलिटी मैनेजमेंट, रिन्यूएबल पावर, नेटवर्क कनेक्टिविटी और मैनेज्ड सर्विसेज सहित एंड-टू-एंड सर्विसेज देगी। **भारत वैश्विक एआई क्रांति में सबसे आगे रहने को तैयार–** रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने कहा, मेटा के साथ यह साझेदारी भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक बदलावकारी पल है। मेटा का भारत का पहला बिल्ट-टू-सूट डेटा सेंटर बनाना यह दर्शाता है कि भारत वैश्विक एआई क्रांति में सबसे आगे रहने के लिए तैयार है। जामनगर हाइपर स्केल एआई कंप्यूटिंग के लिए चर्चा तेज है।

मोदी कार्यकाल के 4399 दिन नेहरू का रिकॉर्ड टूटा, मिली बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी ने 10 जून को लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उनके कार्यकाल के 4399 दिन पूरे हो गए। पीएम के तौर पर यह उनका लगातार तीसरा कार्यकाल है।

केदारनाथ में हवन, बद्रीनाथ में हुआ यज्ञ

नरेंद्र मोदी ने 10 जून को सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। आज उनके कार्यकाल के 4,399 दिन पूरे हो गए। इसे लेकर चारधाम यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ में उनके नाम से विशेष पूजा-अर्चना की गई। केदारनाथ में बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति और तीर्थ पुरोहितों ने मोदी के नाम से जलाभिषेक किया।

मोदी देश के सबसे ज्यादा कार्यकाल वाले इलेक्टेड पीएम

दरअसल, 15 अगस्त 1947 को देश के आजाद होने के बाद जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। वे 15 अगस्त 1947 से 13 मई 1952 तक कुल 1732 दिन पीएम रहे। इसके बाद 1952 में देश में पहला आम चुनाव हुआ। कांग्रेस सत्ता में आई। संसदीय दल ने नेहरू को अपना नेता चुना। इसके बाद नेहरू 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक लगातार निर्वाचित पीएम रहे।

कार गहरी खाई में गिरी, हरियाणा और गाजियाबाद के 4 पर्यटकों की मौत

देहरादून। उत्तराखंड में मसूरी में देहरादून मार्ग पर एक कार के अचानक ब्रेक फेल होने से वह गहरी खाई में गिर गई। वाहन में दो महिला यात्रियों समेत कुल चार लोग सवार थे। चारों की मौत हो गई है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस और एसडीआरएफ ने अभी एक ही शव बाहर निकाला है। मृतक उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, हरियाणा के सोनीपत और दिल्ली के निवासी हैं। देहरादून एसएसपी प्रमेंद्र डोभाल ने बताया कि आज 112 कंट्रोल रूम के माध्यम से सुबह 09:16 बजे थाना मसूरी पर सूचना प्राप्त हुई कि झड़ीपानी रोड चौकी बार्लोगंज मसूरी क्षेत्र में तीव्र ढलान में कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई हैं। सूचना पर कोतवाली मसूरी से पुलिस टीम तत्काल मौके पर रवाना हुई और घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एसडीआरएफ, फायर सर्विस तथा 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बताया कि मौके से रेस्क्यू टीमो द्वारा अभी तक एक महिला का शव खाई से निकाल लिया गया है। एसएसपी डोभाल ने बताया कि मौके पर स्थानीय लोगों से पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि एक मारुति सिलेरियो कार संख्या डीएल5 सीएस 4610 रोड की ढलान पर संभवतः ब्रेक फेल होने की वजह से तेजी से अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। उससे पूर्व उनके द्वारा नजदीक की दुकान पर कुछ सामान खरीदा गया था और बातचीत में उत्तरकाशी से आना बताया था। सामान लेकर जैसे ही वे कार में बैठे तो कार ढलान की तरफ सड़क पर तेजी से जाने लगी और फिर खाली प्लाट से होते हुए गहरी खाई में गिर गई। मृतकों में दो हरियाणा के दो गाजियाबाद के रहने वालेः एसएसपी बताया कि जानकारी मिली है कि कार में सत्यप्रकाश निवासी सोनीपत, हरियाणा, मनीत आयु 19 वर्ष, सविता पत्नी धर्मवीर निवासी 322 ए, नेहरू नगर गाज़ियाबाद आयु 48 वर्ष और संगीता पत्नी टीटू निवासी करोलबाग दिल्ली आयु 46 वर्ष सवार थे। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया तेज ढलान पर कार के ब्रेक फेल हो जाने के कारण कार का अनियंत्रित होकर करीब 500 मीटर गहरी खाई में गिरना स्पष्ट हुआ हैं। उन्होंने कहा कि मौके पर पुलिस अधीक्षक नगर तथा क्षेत्राधिकारी मसूरी द्वारा स्वयं मौजूद रहकर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लेते हुए रेस्क्यू टीमो का आवश्यक निर्देश दिए जा रहे है।

अब चीन-पाकिस्तान से इकट्ठे निपटेगी सेना

● भारतीय सेना ने तैयार किया युद्ध का ब्लू प्रिंट ● देश के तीन शहरों में थियेटर कमांड की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेनाओं के लिए थियेटर कमांड वाले आइडिया को अमलीजामा पहनाने के काम ने थोड़ी रफ्तार पकड़ी है। यूं तो यह आइडिया करीब 6 साल पुराना है, लेकिन अपना कार्यकाल खत्म होते-होते पूर्व सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने इसका एक ठोस खाका तैयार कर दिया है, जिसे ब्लूप्रिंट बताया जा रहा है। अब रक्षा मंत्रालय और केंद्र सरकार को इसपर निर्णायक फैसला लेना है। भारतीय सशस्त्र सेना को थियेटर कमांड से जोड़ने की खबरों के बीच साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने एक रिपोर्ट दी है, जिसके अनुसार अभी भारत की तीनों सेनाएं, इंडियन आर्मी, इंडियन एयर फोर्स और इंडियन नेवी जो कुल 17 कमांड में काम करती है, वह ढांचा सिमट कर मात्र तीन थियेटर कमांड के अधीन लाया जाना है।

● **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपी गई ब्लूप्रिंट–** इससे पहले एचटी ने रिपोर्ट दी थी कि पूर्व सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कार्यकाल की समाप्ति से पहले थियेटर कमांड का एक पुख्ता ब्लूप्रिंट रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सौंपा है। इस ब्लूप्रिंट में थियेटर कमांड का स्ट्रक्चर, ह्यूमैन रिसोर्सेज, सिनर्जी मेकेनिज्म और एसओपी की जानकारी दी है। इस पर रक्षा मंत्री पहले रक्षा सचिव से चर्चा करगें, फिर नए सीडीएस जनरल आर.सुब्रमण्यन अपनी ओर से प्रेजेंटेशन देंगे।

तीन शहरों में थियेटर कमांड

रिपोर्ट के अनुसार नॉर्थर्न थियेटर कमांड का हेडक्वार्टर लखनऊ में होगा। नॉर्थर्न थियेटर कमांड का पूरा फोकस चीन पर होगा। नॉर्थर्न थियेटर कमांड की अगुवाई मुख्य तौर पर आर्मी के हाथों में होगी। वेस्टर्न थियेटर कमांड जयपुर से संचालित होगा और इसके पास पाकिस्तान से निपटने की जिम्मेदारी होगी। वेस्टर्न कमांड का नेतृत्व एयरफोर्स के हाथों में रहने की संभावना है। तीसरा या मैरीटाइम थियेटर कमांड केरल के तिरुवनंतपुरम से काम करेगा। मैरीटाइम थियेटर कमांड के पास बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के सुरक्षा हितों को संभालने की जिम्मेदारी होगी।

पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत का आइडिया

भारत में तीनों सेनाओं को थियेटर कमांड से जोड़ने का आइडिया औपचारिक तौर पर पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने दिया था। उन्होंने 6 साल पहले ही इसका ऐलान कर दिया था। वे शीर्ष जनरलों, एडमिरलों और एयर चीफ मार्शलों के जरिए सशस्त्र सेनाओं के काम करने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाना चाहते थे और सेनाओं के बीच पूर्ण ऑपरेशनल सिनर्जी चाहते थे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से बढ़ गई जरूरत

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिस तरह से चीन की ओर से पाकिस्तान की सक्रिय मदद की बातें सामने आई हैं, उसके बाद से थियेटर कमांड की जरूरत काफी बढ़ गई हैं। हालांकि, पूर्व सीडीएस अनिल चौहान की पहल पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैन्य थियेटर की तर्ज पर ही तीनों सेनाओं में तालमेल बिठाने की कोशिशें भी हुईं और उसमें सफलता भी मिली। एक डिफेंस थिंक टैंक के एक रिसर्चर गौरव कुमार ने एससीएमपी से कहा, भारत में चिंता अभी ये है कि मिलिट्री के पास एक बार में एक ही चुनौती से निपटने जैसी सुविधा अब न रह जाए।

यूपी में सीट बंटवारे की शुरू हुई सुगबुगाहट!

● इन अटकलों के बीच दिल्ली पहुंचे एनडीए के सहयोगी ● विधानसभा चुनाव से पहले एकजुटता दिखाने की कोशिश

लखनऊ (एजेंसी)। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने के मौके पर दिल्ली में बड़े जश्न की तैयारी की जा रही है।

भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के सहयोगी एकजुटता दिखाने की तैयारी में हैं।

यूपी से एनडीए के सभी सहयोगी शामिल होंगे, जिनमें अपना दल (एस) की प्रमुख अनुप्रिया पटेल, सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी शामिल हैं।

ओपी राजभर और संजय निषाद मंगलवार को दिल्ली पहुंच गए, वहीं जयंत ने एनडीए के इस खास कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने सभी दूसरे राजनीतिक कार्यक्रम रद्द कर दिए, जिसमें बुधवार को शामली में होने वाली रैली भी शामिल थी। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 10 जून, 2026 को एनडीए सरकार के 12 साल पूरे होने का जश्न बनाया जा रहा है।

भारत ने वैश्विक मंच पर बनाई नई पहचानःराजभर

राजभर ने कहा कि पिछले 12 सालों में एनडीए सरकार ने राष्ट्रीय विकास, गरीबों के कल्याण, सामाजिक न्याय, बुनियादी ढांचे और किसानों, युवाओं व महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में ऐतिहासिक काम किया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बनाई है।

यूपी चुनाव से पहले सहयोगियों की एकजुटता होगी अहम

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में एनडीए सहयोगियों का एकजुटता दिखाना बहुत अहम है क्योंकि यहां अगले साल की शुरुआत में चुनाव होने हैं। सूत्रों के मुताबिक, सभी सहयोगियों को एक मंच पर लाकर भाजपा का मकसद इस धारणा को खत्म करना है कि सिर्फ विपक्ष ही एकजुटता दिखा रहा है। संदेश यह है कि जहां इंडिया ब्लॉक एकजुटता पर चर्चा कर रहा है, वहीं एनडीए इसे सार्वजनिक रूप से दिखा रहा है।

सहयोगियों और विरोधियों दोनों के लिए राजनीतिक संकेत

इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर राष्ट्रीय कार्यक्रम में एकजुट मोर्चा पेश करने का एनडीए का फैसला सिर्फ जश्न मनाने से कहीं ज्यादा है।

दिल्ली अग्निकांड

21 मौतों के बाद खुल रहा है फर्जीवाड़े का 'खेल'

● मालिक और अकाउंटेंट के बयानों से हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर के एक बेड एंड ब्रेकफास्ट (बी एंड बी) प्रतिष्ठान में लगी भीषण आग की जांच कर रही पुलिस को नए सबूत मिले हैं और अब वह लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया, संचालन व्यवस्था तथा अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन में संभावित अनियमितताओं की जांच कर रही है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नए तथ्य तीन जून को हौज रानी स्थित 'फ्लोरिश स्टे' बी एंड बी में लगी आग के मामले में गिरफ्तार होटल मालिक लवकेश बजाज और लेखाकार जय मिश्रा से पूछताछ के दौरान सामने आए। इस अग्निकांड में 21 लोगों की मौत हो गई थी। पूछताछ के दौरान मिश्रा ने जांचकर्ताओं को बताया कि बजाज के कहने पर उन्होंने बी एंड बी लाइसेंस प्राप्त करने के लिए दस्तावेज उपलब्ध कराए थे।

● **मालिक और अकाउंटेंट के बयानों की हो रही जांच–** सूत्रों के अनुसार, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि लाइसेंस स्वीकृति प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता या मिलीभगत तो नहीं हुई। जांचकर्ताओं ने पाया कि बजाज और मिश्रा के बयान काफी हद तक एक जैसे हैं। अब इन बयानों का मिलान जांच के दौरान जुटाए गए दस्तावेजी और तकनीकी साक्ष्यों से किया जा रहा है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि मिश्रा करीब एक दशक से बजाज के साथ लेखाकार के रूप में कार्यरत थे और उन्हें उनके सबसे भरोसेमंद कर्मचारियों में माना जाता था। उनकी मासिक तन्ख्वाह लगभग 35,000 रुपये बताई गई है। जांच में यह भी पता चला कि होटल के दैनिक संचालन का ज्यादातर नियंत्रण मिश्रा के हाथ में था।

मुफ्त राशन, 4 करोड़ घर और एलपीजी कनेक्शन

● पीएम मोदी ने दिया अपने कार्यकाल के 12 साल का ब्योरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार के पिछले 12 वर्ष विश्वास, विकास और जन कल्याण को समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के आशीर्वाद और सबसे पहले राष्ट्र भावना से प्रेरित होकर युवाओं, महिलाओं और किसान भाई-बहनों को सशक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। पीएम मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, अथक प्रयासों के फलस्वरूप ही आज देश ने बुनियादी ढांचे से लेकर डिजिटल क्रांति तक विश्व स्तर पर एक नई पहचान हासिल की है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सरकार सेवा, सुशासन और समृद्धि के इस पथ पर निरंतर अग्रसर रहेगी।

विकास और जन कल्याण को समर्पित रहे 12 साल– पीएम मोदी ने कहा, हमारी सरकार के बीते 12 वर्ष विश्वास, विकास और जन कल्याण को समर्पित रहे हैं। देश के140 करोड़ लोगों के आशीर्वाद और राष्ट्र प्रथम की भावना से हमने युवाओं, महिलाओं और अपने किसान भाई-बहनों को सशक्त बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। यह हमारे अथक प्रयासों का ही नतीजा है कि इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर डिजिटल क्रांति तक आज देश को दुनिया भर में एक नई पहचान मिली है। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए हम सेवा, सुशासन और समृद्धि के इसी पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे।

● **गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं–** केंद्र में मोदी सरकार का 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा हो गया है। नरेंद्र मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। पीएम मोदी की ओर से निम्नलिखित कार्यों का जिक्र किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत 81 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 4 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण किया गया है। इसके अलावा उज्ज्वला योजना के तहत 10.5 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शन वितरित किए गए हैं और देशभर में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कराया गया है।

● **महिला सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे का विकास–** प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। महिलाओं के नाम पर 32 करोड़ से अधिक जन धन बैंक खाते खोले गए हैं। सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान किया गया है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित की

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र प्रेषित कर उनके सफल नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने और सर्वाधिक अवधि तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने पर देवभूमि उत्तराखण्ड की जनता की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित की हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, जनधन योजना, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं ने करोड़ों नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान, डिजिटल इंडिया, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, जीएसटी व्यवस्था तथा रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने जैसे ऐतिहासिक निर्णयों ने भारत को नई दिशा प्रदान की है। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान भारत द्वारा किए गए व्यापक टीकाकरण अभियान तथा 'वैक्सीन मैत्री' पहल को भी वैश्विक नेतृत्व का उदाहरण बताया। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र की सुरक्षा, सैनिकों के सम्मान, सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा सनातन सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक तथा केदारनाथ धाम पुनर्निर्माण जैसे कार्यों को राष्ट्र के सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में केदारनाथ एवं बदरीनाथ धाम पुनर्विकास, चारधाम ऑल वेदर रोड परियोजना, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे, रोपवे परियोजनाओं, वंदे भारत एक्सप्रेस, सीमांत क्षेत्रों के विकास तथा विभिन्न आधारभूत संरचना परियोजनाओं को नई गति मिली है।

गांजा तस्करी से खरीदी गई कार गैंगस्टर एक्ट में जब्त

अल्मोड़ा। गांजा तस्करी से अर्जित आय से खरीदी गई एक स्विफ्ट डिजायर कार को भतरौजखान पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत जब्त कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार 1 फरवरी 2025 को भतरौजखान पुलिस ने वाहन संख्या यूके04—आर—5051 स्विफ्ट डिजायर से 42.515 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया था। इस मामले में जीवन आर्या उर्फ जग्गू, रोहित कुमार और भूपेश कुमार उर्फ बॉबी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच के बाद 6 मई 2025 को आरोपितों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में भी मुकदमा दर्ज किया गया। गैंगस्टर एक्ट की विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि भूपेश कुमार उर्फ बॉबी, निवासी नई बस्ती लालडांग, रामनगर, जनपद नैनीताल ने मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन से चल संपत्ति खरीदी थी। इसके बाद आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी करते हुए भतरौजखान थाना पुलिस ने 9 जून को गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत उक्त स्विफ्ट डिजायर कार को कुर्क कर जब्त कर लिया।

हरिद्वार अधिवेशन के लिए किसानों का काफिला रवाना

रुड़की। भाकियू (अम्बावता) के राष्ट्रीय अधिवेशन तथा चिंतन शिविर में भाग लेने के लिए बुधवार को प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चौधरी के साथ वाहनों से किसान हरिद्वार के लिए रवाना हुए। बताया कि तीन दिवसीय शिविर में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषिपाल अम्बावता, राष्ट्रीय कोर कमेटी के पदाधिकारी, विभिन्न प्रदेशों के अध्यक्ष और किसान भाग लेंगे। शिविर में किसानों की समस्याओं, खेती की बढ़ती लागत, फसलों के उचित मूल्य, सिंचाई, बिजली तथा आवारा पशुओं के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा और उनकी मांगों को सरकार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए आगे की रणनीति भी तैयार की जाएगी।

इस अवसर पर चौधरी नेत्रपाल सिंह, दीपक पंवार, राव बिलावर, विशाल चौधरी, राव ताज मोहम्मद, तौकीर आलम, प्रेम सिंह, कुलदीप चौधरी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नगर पालिका के ठोस अपशिष्ट एमआरएफ सेंटर में लगी आग

देहरादून। संदिग्ध परिस्थितियों में नगर पालिका परिषद के टिहरी बाईपास स्थित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत एमआरएफ सेंटर के भंडारण स्थल पर आग लग गई। दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। नगर पालिका परिषद के टिहरी बाईपास स्थित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत एमआरएफ सेंटर का संचालन किया जा रहा है।सेंटर में रिसाइकिल योग्य सामग्री का पृथक्करण एवं भंडारण किया जाता है। 9 जून की रात्रि को आसामाजिक तत्व ने आग लगा दी जिसके कारण नगर पालिका को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। अग्नि शमन दल सूचना के बाद तत्काल मौके पर पहुंचा व आग बुझाने में दो घंटे से अधिक का समय लगा। आग के कारण सबकुछ राख हो गया था।नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी गौरव भसीन ने बताय कि गत रात्रि को सेंटर में सामग्री के भंडारण स्थल पर कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा जानबूझकर आग लगा दी गई, जिसके कारण वहां रखी सामग्री जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। आग एमआरएफ सेंटर के पुनर्चक्रण वाली सामग्री पर आग लगी लेकिन कुछ लोग इस पर भ्रमित कर रहे हैं कि कूड़े के ढेर में आग लगी। आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई। उन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के संबंध में संबंधित फर्म नोवेस्ट एनवायरमेंट सोल्यूशन एलएलपी ने कोतवाली में अज्ञात लोगों पर आग लगाए जो पर प्राथमिकी दर्ज करा दी है।

दून के अश्विन ने साइकिलिंग में जीता सिल्वर मेडल

देहरादून। दून के साइकिलिस्ट अश्विन रौथाण ने नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन के तहत आयोजित माउंटेन टैरैन बाइकिंग चैलेंज प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में देश भर के 200 से भी अधिक साइकिलिस्टों ने भाग लिया था। अश्विन सोशल बलूनी पब्लिक स्कूल के छात्र हैं। गुरुवार को उन्हें स्कूल के एमडी विपिन बलूनी ने स्कूल में सम्मानित किया। उत्तराखंड पर्यटन विभाग की ओर से सीमांत नीति घाटी में आयोजित तीन दिवसीय नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन के तहत 2 जून को माउंटेन टैरैन बाइकिंग चैलेंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। समुद्र तल से 13,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित नीति घाटी एक अत्यंत दुर्गम इलाका है, जहां सामान्य तौर पर चलने में भी सांस लेने में परेशानी होती है।ऐसी विषम परिस्थितियों में सोशल बलूनी पब्लिक स्कूल, देहरादून के छात्र अश्विन रौथाण ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अंडर–18 आयु वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक अपने नाम किया।

हरिद्वार नगर निगम घोटाले में कानूनगो के खिलाफ कार्रवाई की मांग

देहरादून। सुराज सेवा दल ने हरिद्वार नगर निगम घोटाले में संलिप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई की मांग उठाई। बुधवार को दल का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष रमेश जोशी के नेतृत्व में मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन से मिला। सुराज सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष रमेश जोशी ने मुख्य सचिव को बताया कि इस मामले में एक ही दिन में कानूनगो एवं पटवारी की रिपोर्ट लगाकर दो आईएएस तथा एक पीसीएस अधिकारी को निलंबित किया गया। जबकि अन्य कर्मचारियों का स्थानांतरण अथवा संबद्धीकरण कर दिया गया। इसके बावजूद संबंधित कानूनगो के विरुद्ध कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित कानूनगो पर पूर्व में भी आपराधिक मुकदमे दर्ज रहे हैं, फिर भी उसे संरक्षण प्रदान किया जा रहा है। सुराज सेवा दल के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र बिष्ट ने बताया कि हरिद्वार में भी भूमि घोटाले का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया है, जिसमें मुरली नामक व्यक्ति की भूमि को कथित रूप से कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर बेच दिया गया।

पीएम गतिशक्ति योजना के बारे में दी जानकारी

देहरादून। दून विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट और सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी एंड गुड गवर्नेंस के संयुक्त तत्वावधान में पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। 9 और 10 जून को आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन सीपीपीजीजी के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. मनोज कुमार पंत ने किया। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय, साक्ष्य–आधारित निर्णय प्रक्रिया और सतत विकास के लिए एकीकृत योजना निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। तकनीकी सत्रों में पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान, जीआईएस डेटाबेस निर्माण, जियो–एआई, भू–स्थानिक डेटा प्रोसेसिंग और सुशासन में तकनीकी नवाचारों पर विशेषज्ञों ने विस्तृत जानकारी दी।

नीट और यूजीसी—नेट पेपर लीक के खिलाफ फूटा छात्रों का गुस्सा

देहरादून। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने गांधी पार्क से जिलाधिकारी कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला और जोरदार प्रदर्शन किया। छात्रों ने नीट, सीयूईटी और यूजीसी–नेट जैसी बड़ी परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं, पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की विफलताओं के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के बाद एसएफआई के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के माध्यम से केंद्रीय शिक्षा मंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा,

लोन खातों के सेटेलमेंट के नाम पर आठ खाताधारकों से 12 लाख की ठगी

काशीपुर। सितारगंज स्थित एक बैंक शाखा में तत्कालीन शाखा प्रबंधक और एक कथित रिकवरी एजेंट पर एनपीए (नॉन परफॉर्मिंग एसेट) खातों के सेटलमेंट के नाम पर करीब 12 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का गंभीर आरोप लगा है। बुधवार को आठ से अधिक खाताधारक बैंक पहुंचे और अपने साथ हुई कथित ठगी की शिकायत दर्ज कराई। नए शाखा प्रबंधक द्वारा खातों में किसी प्रकार की सेटलमेंट राशि जमा न होने की जानकारी मिलने के बाद पीड़ितों में आक्रोश फैल गया। बाद में सभी खाताधारक कोतवाली पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। ग्राम झुका फार्म निवासी गब्बर अहमद ने बताया कि उनके ‟गब्बर इंटरप्राइजेज" नामक खाते को एनपीए घोषित किए जाने के बाद तत्कालीन शाखा प्रबंधक और बैंक में बैठने वाले एक रिकवरी एजेंट ने सेटलमेंट कराने का भरोसा दिया। आरोप है कि दोनों ने उनसे 2.15 लाख रुपये लिए और पावती रसीद भी दी। उन्हें आश्वासन दिया गया कि एक सप्ताह के भीतर नोड्यूज प्रमाणपत्र जारी कर दिया जाएगा। लंबे समय तक कोई कार्रवाई न होने पर जब वह बैंक पहुंचे तो पता चला कि शाखा प्रबंधक का तबादला हो चुका है और खाते में कोई सेटलमेंट राशि जमा ही नहीं हुई। इसी प्रकार अमरिया (पीलीभीत) निवासी भागीरथ प्रसाद ने 1.05 लाख रुपये, प्रेम प्रकाश ने 2 लाख रुपये, मो. मुस्तकीम ने 1.25 लाख रुपये तथा नानकमत्ता क्षेत्र के पूरन सिंह ने किसान क्रेडिट कार्ड खाते के निस्तारण के लिए 1.65 लाख रुपये जमा कराने का दावा किया। सभी का आरोप है कि रकम लेने के बावजूद उनके खाते आज भी बकायेदार की श्रेणी में दर्ज हैं। वार्ड नंबर 11 बिजली कॉलोनी निवासी जितेंद्र जोशी ने बताया कि उन्होंने बैंक की नीलामी में वाहन खरीदने के लिए 1.40 लाख रुपये जमा किए थे, लेकिन बैंक रिकॉर्ड में यह राशि दर्ज नहीं मिली। वहीं वार्ड नंबर 9 निवासी सचिन रस्तोगी ने आरोप लगाया कि शादी समारोह के लिए नए नोट उपलब्ध कराने के नाम पर उनसे 30 हजार रुपये लिए गए, लेकिन न तो नए नोट मिले और न ही रकम वापस की गई।

भाकियू अम्बावत गुट का अधिवेशन शुरू

हरिद्वार। भारतीय किसान यूनियन (अम्बावत) का तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन व चिंतन शिविर का शुभारंभ अलकनंदा मैदान में हुआ। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल अम्बावत ने पत्रकारवार्ता के दौरान बताया कि तीन दिवसीय अधिवेशन में किसानों से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा होगी। सरकारें किसानों के प्रति रवैया बदले। एमएसपी की गारंटी नहीं देने से किसान नाराज़ हैं। स्मार्ट मीटर, गन्ना भुगतान, फसलों का कम दाम, पेट्रोल डीजल, गैस सिलेंडर के बढ़े दाम आदि समस्याएं अधिवेशन में मुख्य मुद्दा रहेंगे। अधिवेशन में यूपी, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश आदि से किसान पहुंच रहे हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव, गंगा प्रसाद यादव, उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चौधरी, यूपी प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र प्रधान, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिलबाग सिंह हुड्डा, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राव महिपाल भाटी, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष रमन सिंह आदि उपस्थित रहे।

एसआईआर अभियान पर भाजपा ने की चर्चा

देहरादून ,महानगर भाजपा द्वारा एसआईआर अभियान को लेकर बुधवार को अनेक जगह बैठकों एवं सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची के शुद्धिकरण, नए मतदाताओं का पंजीकरण, बूथ स्तर तक अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने की रणनीति पर विचार किया। महानगर कार्यालय में धर्मपुर विधानसभा की एसआईआर(विशेष गहन पुनरीक्षण) से संबंधित बैठक में धर्मपुर विधायक विनोद चमोली सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अभियान के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। रायपुर विधानसभा की एसआईआर संबंधी बैठक में रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊएवं मेयर सौरभ थपलियाल ने संगठनात्मक समन्वय को मजबूत करते हुए अभियान को जन–जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक पात्र मतदाता को प्रक्रिया से जोड़ने पर विशेष बल दिया।कैंट विधानसभा के वार्ड संख्या 43, द्रोणपुरी स्थित भवानी शंकर मंदिर परिसर में इस मौके पर सहयोग शिविर लगाया गया।

शिविर में क्षेत्रवासियों को निःशुल्क पासपोर्ट आकार के फोटोग्राफ उपलब्ध कराए गए, जिससे उन्हें आवेदन प्रपत्रों एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों को पूर्ण करने में सुविधा प्राप्त हुई। भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान लोकतंत्र को और अधिक सशक्त एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने पर कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिद्वार। मध्य प्रदेश की राज्यसभा सीट के लिए कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ऋषिकुल चौक पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कांग्रेस अनुसूचित विभाग के महानगर अध्यक्ष मनोज जाटव ने किया। प्रदर्शन के दौरान मनोज जाटव और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोम त्यागी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। जिलाध्यक्ष अनुसूचित विभाग तीर्थपाल रवि और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज सैनी ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राजबीर चौहान, पूर्व अध्यक्ष रवीश भटीजा और पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा ने कहा कि भाजपा दोहरे मापदंड अपना रही है।

गलत दिशा से आ रही कार ने बाइक सवार साधु को मारी टक्कर

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र में गुरुकुल कन्या महाविद्यालय के पास सर्विस रोड पर गलत दिशा से आ रही कार ने बाइक सवार साधु को टक्कर मार दी। दुर्घटना में साधु घायल हो गए, जबकि उनकी बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस को दी गई शिकायत में अनिल गिरी ने बताया कि वह मूल रूप से हरियाणा के सोनीपत स्थित कैलाश कॉलोनी के निवासी हैं और वर्तमान में मायापुर स्थित श्री पंचायती निरंजनी अखाड़ा में साधु के रूप में रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि आठ जून को वह अपने आश्रम की ओर जा रहे थे। जब उनकी बाइक गुरुकुल कन्या महाविद्यालय के निकट सर्विस रोड पर पहुंची, तभी सामने से गलत दिशा में आ रही एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिर पड़े और घायल हो गए।

72 घंटे में बच्चा चोरी का खुलासा, छह सदस्यीय गिरोह गिरफ्तार

हरिद्वार। हरिद्वार पुलिस ने कनखल क्षेत्र से चोरी की गई तीन साल की बच्ची को बरामद कर 72 घंटे के भीतर बच्चा चोरी गिरोह का खुलासा किया। एक पेशेवर गैंग ने बच्चा चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने दो महिलाओं सहित गैंग के कुल छह सदस्य को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए गैंग में यूपी के अमरोहा और भोपा मुजफ्फरनगर के दो शादीशुदा जोड़े भी शामिल हैं। न सिर्फ इस बच्ची को बरामद किया बल्कि पुलिस ने दिल्ली से चुराया गया एक साल का बच्चा भी बरामद किया है। बुधवार को मायापुर स्थित एसपी सिटी कार्यालय में प्रेस वार्ता कर एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने पूरे मामले का खुलासा किया।एसएसपी के अनुसार बीती 06 मई को कनखल थाना क्षेत्र स्थित बैरागी कैंप में झुग्गी झोपड़ी से तीन साल की मासूम को अगवा कर लिया था। दिनरात ग्राउंड जीरो पर मेहनत और सैकड़ों फुटेजों खगांलने के बाद कथित बच्चा चोर गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि चुराये गये बच्चों की दो से पांच लाख तक कीमत लगती थी और गिरोह निसंतान दंपतियों को बच्चे बेचने का काम करते थे।

देहरादून में वीवीआईपी दौरे को लेकर हाई अलर्ट

देहरादून। आगामी 12 जून से प्रस्तावित वीवीआईपी भ्रमण एवं प्रवास कार्यक्रम को लेकर देहरादून पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गई है। कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से बुधवार को पुलिस लाइन देहरादून में सुरक्षा ड्यूटी में नियुक्त पुलिस बल की व्यापक ब्रीफिंग आयोजित की गई।

ब्रीफिंग के दौरान अधिकारियों ने वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा करते हुए सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता के साथ करना होगा। महानिदेशक अभिसूचना एवं सुरक्षा अभिनव कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था, पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून ने सुरक्षा ड्यूटी में तैनात पुलिस बल को निर्देशित किया कि वे निर्धारित समय से पूर्व अपने ड्यूटी स्थल पर पहुंचकर क्षेत्र का भौतिक निरीक्षण करें तथा अपने प्रभारी अधिकारियों से आवश्यक दिशा–निर्देश प्राप्त करें। साथ ही सभी कर्मियों को पहचान पत्र और ड्यूटी कार्ड अनिवार्य रूप से साथ रखने के निर्देश दिए गए। वीवीआईपी रूट, प्रवास स्थल और कार्यक्रम स्थल के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा एजेंसियों को हाईराइज भवनों, पानी की टंकियों, फ्लाईओवर और अन्य संवेदनशील स्थानों की बीडीएस एवं डॉग स्क्वॉड के माध्यम से सघन जांच सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके साथ ही आसपास निवास करने वाले लोगों का शत–प्रतिशत सत्यापन करने के भी निर्देश जारी किए गए हैं। सभी नोडल अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी अपने निर्धारित स्थानों पर ही मौजूद रहें और अनावश्यक रूप से किसी एक स्थान पर एकत्रित न हों। अधिकारियों ने ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन के उपयोग से बचने तथा बिना अनुमति ड्यूटी प्वाइंट छोड़ने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी। सुरक्षा कारणों से वीवीआईपी कार्यक्रम एवं प्रवास स्थल के आसपास ड्रोन संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इस दौरान किसी भी व्यक्ति को ड्रोन उड़ाने की अनुमति नहीं होगी।

कैंचीधाम मेले की तैयारियों की हुई समीक्षा

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने बुधवार को सचिवालय में कैंचीधाम (नैनीताल) में 15 जून को स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाला वार्षिक मेला की तैयारियों को लेकर सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक ली। मुख्य सचिव ने मेले को सुव्यवस्थित रूप से आयोजित कराए जाने हेतु पुलिस, जिला प्रशासन एवं लोक निर्माण विभाग सहित अन्य सम्बन्धित विभागों को आवश्यक कदम उठाए जाने के निर्देश दिए।मुख्य सचिव ने लोक निर्माण विभाग को श्रद्धालुओं के आवागमन का पीक टाईम को देखते हुए अगले 10 दिनों के लिए रूट प्लान एवं यातायात प्रबन्धन सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र के लिए जोनल एवं सैक्टोरल प्लान तैयार किया जाए। उन्होंने पार्किंग मैनेजमेंट और रूट प्लान का प्रचार–प्रसार स्थानीय स्तर पर, राज्य एवं राज्य के बाहर भी किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन एवं रूकने के साथ ही यातायात संकुलन से बचने में किसी प्रकार की समस्या न हो। मुख्य सचिव ने सौन्दर्यीकरण एवं प्रकाशीकरण कार्य शीघ्र पूर्ण कराते हुए मेला क्षेत्र एवं पार्किंग क्षेत्र में पेयजल एवं टॉयलेट आदि मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

खटीमा से डी. फार्मा का छात्र लापता

काशीपुर। खटीमा क्षेत्र से एक 22 वर्षीय छात्र के लापता होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, समीर आलम पुत्र इरशाद हुसैन निवासी सुल्तानपुर पट्टी, थाना बाजपुर बीते 5 जून से अपने किराए के कमरे से बिना बताए कहीं चला गया है। परिजनों द्वारा थाना खटीमा में दी गई तहरीर के अनुसार, समीर आलम पॉलीटेक्निक कॉलेज में डी. फार्मा का छात्र है और पॉलीटेक्निक रोड स्थित भूड़ क्षेत्र में किराए के कमरे में रहकर पढ़ाई कर रहा था। 5 जून से उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। परिजनों ने बताया कि उसके दोनों मोबाइल फोन भी बंद आ रहे हैं, जिससे उनकी चिंता बढ़ गई हैं। वहीं पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है।

दुराचार के दोषी को 10 साल की कैद

देहरादून। अदालत ने शादी का झांसा देकर युवती से लगातार चार साल तक दुराचार करने वाले लेक्चर को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। पोक्सो कोर्ट की जज मंजु सिंह मुंडे ने दोषी पर 20,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अदालत ने उसे मारपीट और धमकी से जुड़ी अन्य धाराओं में साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता किशोर कुमार ने बताया कि सैफ अहमद निवासी रेनबो रूफ, फेज–दो, एमएफ टावर, अनूपशहर, जिला अलीगढ़ की मुलाकात वर्ष 2019 में पीड़िता से इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। उस दौरान सैफ देहरादून में दून बिजनेस स्कूल से एमबीए कर रहा था। सैफ ने शादी का झांसा देकर पीड़िता और उसके परिवार का विश्वास जीत लिया। वर्ष 2019 में वह पीड़िता को प्रिंस चौक स्थित एक होटल में ले गया। जहां कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें ले लीं।

संक्षिप्त समाचार

चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आपरेशन प्रहार के तहत चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने नजीबाबाद रोड पर एक युवक को चाकू के साथ गिरफ्तार किया है।

रात्रि गश्त के दौरान पुलिस ने नजीबाबाद रोड में संदिग्ध अवस्था में घूम रहे युवक की तलाशी ली। तलाशी में उसके पास से चाकू बरामद हुआ। युवक ने खुद का नाम योगी बाबा विमलनाथ अघोरी निवासी ग्राम मटियालना, चौबट्टाखाल, हाल निवासी पीडब्लूडी गोदाम के पास, कोटद्वार बताया है।

सिंचाई का पानी बंद होने से किसानों में रोष, एसडीएम को दिया ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दाईं खोह नहर पर मरम्मत कार्य के नाम पर सिंचाई का पानी बंद किए जाने से किसानों में भारी नाराजगी है। किसानों का कहना है कि पिछले दो माह से नहर बंद होने के कारण खेती-किसानी प्रभावित हो रही है और उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बुधवार को काश्तकारों ने तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि सिंचाई विभाग ने दाईं खोह नहर को मरम्मत के नाम पर लंबे समय से बंद कर रखा है, जबकि धान की रोपाई के लिए पौध तैयार करने का समय शुरू हो चुका है। ऐसे में किसानों को सिंचाई के पानी की सख्त जरूरत है। किसानों ने कहा कि सिंचाई के अभाव में धान की पौध तैयार करने के साथ ही मवेशियों के चारे के लिए चरी की बुआई और साग-सब्जियों की खेती भी प्रभावित हो रही है। इससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा होने की आशंका है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र नहर में पानी छोड़े जाने की मांग करते हुए देवी मंदिर से नीचे की ओर जाने वाली कौड़िया के क्षतिग्रस्त कुलावा संख्या-4 की गूल की मरम्मत कराने की भी मांग उठाई। इस अवसर पर पातीराम ध्यानी, विजय ध्यानी, अजय रावत, नवीन रावत और प्रवीन सिंह सहित अन्य काश्तकार मौजूद रहे।

काश्तकार ने सुनाई व्यथा

श्रीनगर गढ़वाल : प्रदर्शन के दौरान प्रभावित काश्तकार बलवंत सिंह अधिकारियों के सामने फूट-फूटकर रो पड़े। लोनिवि और तहसीलदार के आगे अपनी व्यथा सुनाते हुए बुजुर्ग काश्तकार ने बताया कि लोनिवि की ओर से की गई रोड कटिंग के मलबे ने उनके हरे-भरे खेतों को बरबाद कर दिया है। गूल भी टूट चुकी है। पानी न आने से सारी सब्जियां सूख गई हैं। काश्तकार ने कहा कि गूल ठीक करवाने के लिए विभाग के चक्कर काट रहे हैं लेकिन अधिकारी उनकी सुध लेने को तैयार नहीं हैं। ईई धीरेंद्र कुमार ने उन्हें जल्द ही मलबा हटाने का आश्वासन दिया। (एजेंसी)

प्रधानों ने की टेंडर प्रक्रिया निरस्त करने की मांग

उत्तरकाशी। भटवाड़ी विकासखंड के ग्राम प्रधानों की ओर से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार व आजीविका मिशन (ग्रामीण) के तहत निर्माण सामग्री आपूर्ति के तहत की गई टेंडर प्रक्रिया को निरस्त करने की मांग की है। उनका कहना है कि इनकी जिम्मेदारी एक ही व्यापारी को देने पर उसकी ओर से मनमानी देखने को मिलेगी। इसलिए इसे विकासखंड की भौगोलिक परिस्थिति को देखते हुए पांच व्यापारियों में वितरित किया जाए। भटवाड़ी प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष अजीतपाल पंवार सहित अनुसूया, रेखा, अरविंद रावत, संतोषी का कहना है कि विकासखंड की ओर से वीबी जी राम जी योजना के तहत होने वाले विकास कार्यों के लिए पहले पंचायत प्रतिनिधियों की ओर से निर्माण सामग्री के स्वयं ही व्यापारी चिह्नित किया जाता था लेकिन अब विकासखंड की ओर से इसकी टेंडर प्रक्रिया कर एक ही व्यापारी को इसकी जिम्मेदारी देने का निर्णय लिया गया है।प्रधानों का कहना है कि पूरे विकासखंड में करीब पांच व्यापारियों को चिह्नित कर उन्हें निर्माण सामग्री आपूर्ति का कार्य दिया जाए। उन्होंने डीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि अगर विकासखंड की ओर से मनमानी की जा जाती है और टेंडर प्रक्रिया निरस्त नहीं की जाती तो ग्राम प्रधानों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

युवाओं को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

उत्तरकाशी। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने यमुनोत्री क्षेत्र के कई गांवों का भ्रमण कर जन संवाद और जन समस्याएं सुनी। इस दौरान चौहान ने क्षेत्र में राज्य सरकार की ओर से संचालित विकास योजनाओं का जायजा लिया। साथ ही चौपाल लगाकर युवाओं को स्वरोजगार के संबंध में जानकारी देकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने को कहा।चौहान ने बीते रविवार से तीन दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के तहत गांवों में जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की हर योजना का लाभ युवा उठाकर स्वरोजगार को बढावा देंगे तो विकास के नये अवसर बनेंगे। चौहान ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से यमनोत्री को कुदरत की सौगात है। बारहमासा पर्यटन से यह क्षेत्र न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध होगा बल्कि देश दुनिया के मांनचित्र पर उभरेगा। इस दौरान पूर्व प्रमुख बिजेन्दर रावत, पूर्व प्रमुख डुंडा शैलेन्द्र सिंह कोहली, नगर मंडल चिन्यालीसौड़ के अध्यक्ष मनीष कुकरेती, जिला मंत्री जीत लाल, पूनम रमोला, पूर्व जिला उपाध्यक्ष विजय बडोनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष चिन्यालीसौड़ चैन सिंह महर मौजूद रहे।

नगर की आंतरिक सड़कें दुर्घटनाओं को दे रही न्योता

उत्तरकाशी। नगर क्षेत्र की आंतरिक सड़कें बदहाल स्थिति में है। जगह–जगह गड्ढे, मलबे, जलभराव और निर्माण सामग्री के अतिक्रमण ने लोगों की आवाजाही को मुश्किल और जोखिमभरा बना दिया है। वर्षों से मरम्मत और रखरखाव के अभाव में कई सड़कें दुर्घटनाओं को न्योता दे रही हैं।लदाड़ी और जोशियाड़ा क्षेत्र की कई सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। नालियों पर निर्माण सामग्री, घास और कूड़ा जमा होने से जल निकासी बाधित पड़ी है। बारिश के दौरान सड़कों पर जलभराव होने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। नगर क्षेत्र से गुजरने वाले गंगोत्री हाईवे की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है।ज्ञानसू, बस अड्डा, भटवाड़ी रोड, उजेली और गंगोरी समेत कई स्थानों पर सड़कें क्षतिग्रस्त हैं। गंगोरी पुलिस चौकी के समीप जलभराव और गड्ढों के कारण पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। कोटबंगला मार्ग की हालत भी वर्षों से नहीं सुधर सकी है। सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढों के कारण कई लोग गिरकर चोटिल हो चुके हैं। बावजूद इसके संबंधित विभागों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिखाई दे रही है।पड़ताल में यह भी सामने आया कि नगर पालिका, बीआरओ और अन्य जिम्मेदार विभाग सड़क सुधार और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। नतीजतन, नगर की सड़कें दिन–प्रतिदिन अधिक खतरनाक होती जा रही हैं। स्थानीय लोगो ने बरसात से पहले सड़क मरम्मत, गड्ढों की भराई और नालियों की सफाई की मांग उठाई है।

बदहाल सड़कें, टूट रही कमर

नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में बदहाल पड़ी हैं सड़कें

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भले ही नगर निगम बेहतर विकास के दावे कर रहा हो। लेकिन, हकीकत यह है कि नगर निगम बदहाल सड़कों की मरम्मत तक नहीं करवा पा रहा है। नतीजा, बदहाल सड़कों पर दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। आए दिन दोपहिया वाहन चालक गड्ढों की चपेट में आने से चोटिल हो रहे हैं। सड़क मरम्मत के लिए कई बार क्षेत्रवासी नगर निगम से गुहार लगा चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। एक से चालीस वार्ड तक शायद ही कोई ऐसी सड़क हो जहां गड्ढे न दिखाई दें। गड्ढों के बीच खो रही सड़क ने राहगीरों की चुनौती बढ़ा दी है। कई स्थानों पर गड्ढे इतने बड़े हैं कि

कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र में बदहाल पड़ी सड़कें

दोपहिया वाहनों का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। सबसे बुरी स्थिति शिब्बूनगर, मानपुर, बालासौड़, तड़ियाल चौक, पदमपुर क्षेत्र में बनी हुई है। शिब्बूनगर क्षेत्र में दो दिन पूर्व एक साइकिल सवार छात्र गड्ढे की चपेट में आने से चोटिल हो गया था। हल्की वर्षा होने पर ही यह गड्ढे पानी से भर जाते हैं, जिस कारण वाहन चालकों का गड्ढे का अंदाजा नहीं लग पाता। क्षेत्रवासी सोहन नेगी, वीरेंद्र रावत ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में नगर निगम को पत्र दिया गया था। लेकिन, नगर निगम ने धरातल पर पहुंचकर स्थिति जानने की जहमत तक नहीं उठाई। ऐसे में वर्षाकाल के दौरान समस्या और अधिक बढ़ सकती है।

21 जून को होगा रक्तदान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रोटरी क्लब के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में 21 जून को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

क्लब के अध्यक्ष ऋषि ऐरन ने बताया कि यह शिविर ऋषिकेश स्थित एम्स चिकित्सालय और आधार शिला रक्तदान समूह के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रक्तदान शिविर बीईएल रोड स्थित बलभद्रपुर के एक रिजोर्ट में सुबह 9 बजे से शुरू होगा। शिविर में रक्त संग्रहण की व्यवस्था एम्स की विशेषज्ञ टीम द्वारा की जाएगी। ऋषि ऐरन ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर शिविर को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिल सकता है। रोटरी क्लब का उद्देश्य समाज सेवा के साथ-साथ लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना भी है।

बेस अस्पताल कोटद्वार की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर नागरिक मंच का रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नागरिक मंच ने राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। मंच का आरोप है कि लगातार शिकायतों के बावजूद सरकारी सिस्टम अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा है। इस संबंध में मंच ने स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक को पत्र भेजकर अस्पताल की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया है। पत्र में कहा गया है कि बेस अस्पताल कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र सहित आसपास के हजारों लोगों के लिए प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है, लेकिन चिकित्सकों की कमी, विशेषज्ञ सेवाओं के अभाव और कई चिकित्सा उपकरणों के संचालन न होने से अस्पताल महज रेफरल सेंटर बनकर रह गया है। इसका खामियाजा मरीजों और उनके परिजनों को भुगतना पड़ रहा है। मंच के अनुसार अस्पताल में कई आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण मरीजों को निजी संस्थानों में जांच कराने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। मंच ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग और सरकारी अस्पताल आमजन के स्वास्थ्य अधिकारों की अनदेखी कर रहे हैं। नागरिक मंच के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश नैथानी और महासचिव अतुल भट्ट ने स्वास्थ्य विभाग से 15 दिनों के भीतर अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समयावधि में मांगों पर कार्रवाई नहीं की गई तो सामाजिक संगठनों और प्रबुद्ध नागरिकों के सहयोग से बेस अस्पताल कोटद्वार परिसर में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

चैक बाउंस में आरोपी को छः माह का कारावास

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रज्ञा तिवारी की अदालत ने चैक बाउंस के एक मामले में आरोपी को छः माह के साधारण कारावास सुनाया है। साथ ही आरोपित पर 14.75 लाख का जुर्माना भी लगाया है। लालपानी निवासी संतोष रावत की ओर से 26 फरवरी 2022 को न्यायालय में वाद दाखिल किया गया। जिसमें कहा गया कि राजेंद्र सिंह ने उन्हें टिहरी जिले के कोटेश्वर में सब स्टेशन में साइट लेवलिंग व सुरक्षा दीवार आदि कार्यों के लिए श्रमिक मुहैया करवाने व कार्य की देखरेख का जिम्मा सौंपा। उन्होंने राजेंद्र सिंह को साइट पर श्रमिक मुहैया करवाए। साथ ही स्वयं भी कार्य की देखरेख की। कार्य संपन्न होने तक उनका राजेंद्र सिंह की ओर 14.70 लाख बकाया हो गया। उन्होंने धनराशि मांगी तो राजेंद्र सिंह भुगतान में आनाकानी करने लगे। काफी बार तकाजा करने के बाद 30 सितंबर

2021 को राजेंद्र सिंह ने उन्हें उक्त धनराशि का चैक सौंप दिया। लेकिन, 28 दिसंबर 2021 को वह चैक बाउंस हो गया। मामले की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में चल रही थी, जहां न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रज्ञा तिवारी ने राजेंद्र सिंह को छः माह का साधारण कारावास और 14.75 लाख का जुर्माना सुनाया। जुर्माने में से पांच हजार की धनराशि राज्य सरकार के खाते में जमा होगी। जुर्माना अदा न करने पर एक माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

आंदोलन के बाद भी रकम वापस नहीं मिलने पर रोष

डूबी रकम वापसी की मांग को लेकर ठगी पीड़ितों ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विभिन्न कंपनियों में जमा धनराशि डूबने से प्रभावित ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवारों ने अपनी रकम वापस न मिलने पर गहरा आक्रोश जताया है। पीड़ितों का कहना है कि वे पिछले कई वर्षों से आंदोलन और ज्ञापनों के माध्यम से धन वापसी की मांग कर रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रहा है।

संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव शास्त्री के नेतृत्व में ठगी पीड़ित तहसील परिसर पहुंचे और उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया कि ठगी पीड़ितों की जमा पूंजी वापस कराने के उद्देश्य से अनियमित जमा योजनाएं पाबंदी अधिनियम-2019 (बड्स एक्ट) लागू किया गया था। अधिनियम में पीड़ितों को जमा धनराशि का तीन गुना तक वापस दिलाने का प्रावधान

कोटद्वार में उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपते ठगी पीड़ित जमाकर्त्ता परिवार के सदस्य।

किया गया है। इसके लिए मंडलायुक्त, जिला कलेक्टर समेत सक्षम अधिकारियों को भी आवश्यक निर्देश दिए गए थे। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि कानून लागू होने और संबंधित प्रावधानों को बने सात वर्ष बीत जाने के बावजूद किसी भी ठगी पीड़ित को उसकी जमा राशि वापस नहीं मिल सकी है। उन्होंने इसे कानून की भावना और प्रावधानों का उल्लंघन बताया। ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री से मांग की गई कि वे मामले में सीधे हस्तक्षेप कर बड्स एक्ट-2019 के तहत प्रभावित जमाकर्त्ताओं की डूबी हुई रकम का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कराएं। इस अवसर पर इंदू देवी, कल्पना रावत, गजे सिंह रावत, कल्पना मजेड़ा, महेंद्र सिंह रावत और विजय लक्ष्मी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नार्थ कार्बेट रिजार्ट में गुलदार की धमक

रिजार्ट के आसपास बड़ी–बड़ी झाड़ियों उगी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कौड़िया में करोड़ों की लागत से बना नार्थ कार्बेट रिजार्ट पर गुलदार का कब्जा हो गया है। बुधवार दोपहर गुलदार रिजार्ट के दो मंजिला भवन की बाउंड्री पर बैठा हुआ दिखाई दिया। ऐसे में जहां लोग सरकारी सिस्टमी भवन के प्रति लापरवाही पर सवाल खड़े कर रहे हैं। वहीं, कौड़िया व दिल्ली फार्म के मध्य आवागमन करने वालों को भी खतरा बना हुआ है। लोगों ने वन विभाग से समस्या के निराकरण की मांग की है।

वर्ष 2015 में 14 करोड़ की लागत से जीएमवीएन की ओर से कार्बेट रिजार्ट का निर्माण करवाया गया था। लेकिन, उद्घाटन के बाद से यह रिजार्ट बंद पड़ा हुआ है। ऐसे में

कार्बेट रिजार्ट के दो–मंजिले छत की बाउंड्री में बैठा गुलदार

अब यहां गुलदार ने अपना कब्जा जमाना शुरु कर दिया है। बुधवार को कौड़िया से दिल्ली फार्म के लिए जाने वाले राहगीरों ने रिजार्ट के दो-मंजिले छत की बाउंड्री में गुलदार को देखा। गुलदार काफी देर तक लोगों की ओर देखता रहा। लोगों ने बताया कि दिल्ली फार्म से कोटद्वार के लिए प्रतिदिन सैकड़ों लोग आवागमन करते हैं। रात के अंधेरे में भी लोगों का आवागमन बना रहता है। ऐसे में अब लोगों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया कि रिजार्ट के आसपास बड़ी–बड़ी झाड़ियां उगी हुई है। लगातार शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम इन झाड़ियों के कटान की सुध नहीं ले रहा।

खाई में गिरी बुलेट, दो युवक गंभीर घायल

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश–बदरीनाथ हाईवे पर पाली पुलिया के पास मंगलवार देर रात तुंगनाथ से दर्शन कर लौट रहे बुलेट सवार दो युवक अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरे। हादसे में दोनों गंभीर घायल हो गए। घायलों को रेस्क्यू कर उन्हें बेस अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार चल रहा है।घटना की जानकारी मिलते ही उपनिरीक्षक ललित मोहन भट्ट के नेतृत्व में श्रीनगर पोस्ट से एसडीआरएफ की टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई। देवप्रयाग से लगभग पांच किलोमीटर पहले श्रीनगर की ओर दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर एसडीआरएफ और देवप्रयाग पुलिस ने संयुक्त रूप से रात के अंधेरे में ही सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम गहरी खाई में उतरकर दोनों घायलों तक पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाल लिया। दोनों युवकों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया और फिर एंबुलेंस से बेस अस्पताल श्रीनगर भेजा गया। एसडीआरएफ के इंस्पेक्टर केवेन्द्र सजवाण ने बताया कि घायलों की पहचान पीयूष शर्मा (19) पुत्र जितेंद्र शर्मा और हर्ष कुशवाहा (22) पुत्र राजकुमार कुशवाहा के रूप में हुई है जो शिवपुरी, मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं।

आक्रोशित ग्रामीणों ने तहसील में किया प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल : मुनेठ-कर्णा देवी-बदरगांव मोटर मार्ग का डामरीकरण और उचित मुआवजा न मिलने के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों ने तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में विभिन्न राजनैतिक दलों के नेता संयुक्त रूप से ग्रामीणों के समर्थन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और मांगों के संबंध में ज्ञापन भी सौंपा। प्रदर्शन में शामिल पूर्व मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लंबे समय से ग्रामीण इस सड़क के डामरीकरण और अपने हक के मुआवजे की मांग कर रहे हैं लेकिन प्रशासन की उदासीनता के कारण जनता को आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी यदि एक माह में सभी काश्तकारों को मुआवजा नहीं दिया गया और डामरीकरण शुरू नहीं किया तो 10 जुलाई को तहसील पर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि0
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडिन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

ई–निविदा विस्तार सूचना

इस खण्ड द्वारा पूर्व में आमन्त्रित **ई–निविदा सं0 01/EDDN/2026–27** के निविदा प्रपत्र विक्रय करने की तिथि अपरिहार्य कारणवश 24.06.2026 को 16.00 बजे तक बढ़ायी जाती है तथा ई–निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की तिथि 25.06.2026 को 12.00 बजे तक स्वीकार की जायेगी एवं ई–निविदा प्रपत्र ऑनलाइन और ऑफलाइन निविदा भाग एक खुलने की तिथि 25.06.2026 को समय 15.00 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य शर्तें पूर्ववत है।

पत्रांक : 344/विविख(नै)/उपाकालि0/टी–6 दिनांक : 10.06.2026

अधिशासी अभियन्ता,
वि0वि0 खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीपीएम/जीएसयू/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि **02.07.2026** है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं जो उसी दिन **15:30 बजे** तक प्राप्त किये जायेंगे। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	04-GSU-MB-26-27 10.06.2026
कार्य का नाम	Resurfacing of P/F 2/3 along with coping replacement and making it Divyangjan friendly at Hapur & Amroha stations under Dy. CE/GSU/MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	02.07.2026, 15:30 Hrs.
अनुमानित लागत	38993694.02
धरोहर राशि	779900.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	18.06.2026

नं. Dy.CE/GSU/MB/Publication-04/26-27 दिनांक-10.06.2026 1986/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ड्यूटी के साथ निभाया मानवता का फर्ज : जवान ने किया रक्तदान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मित्र पुलिस का मानवीय चेहरा एक बार फिर सामने आया। कोटद्वार पुलिस ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की है। राजकीय बेस अस्पताल कोटद्वार में भर्ती किडनी पेशेंट बुजुर्ग सुरेन्द्र अग्रवाल को अत्यंत दुर्लभ रक्त ओ नेगेटिव की आवश्यकता पड़ने पर थाना कोटद्वार में तैनात कांस्टेबल के पद पर सेवारत नियमित रक्तदाता सरदार परमजीत सिंह ने रक्तदान किया। वहीं मरीज के पुत्र अनिल अग्रवाल ने भी रक्तदान किया। आधारशिला रक्तदान समूह के संचालक समाजसेवी दलजीत सिंह ने बताया कि बुधवार को राजकीय बेस अस्पताल कोटद्वार में भर्ती किडनी पेशेंट सुरेन्द्र अग्रवाल को अत्यंत दुर्लभ रक्त ओ नेगेटिव की तत्काल

आवश्यकता पड़ी। सूचना पर थाना कोटद्वार में तैनात कांस्टेबल के पद पर सेवारत नियमित रक्तदाता सरदार परमजीत सिंह ने ब्लड़ बैंक पहुंचकर रक्तदान किया। परमजीत सिंह ने रक्तदान सेवाकार्य का श्रेय कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी को देते हुए कहा कि वह नियमित रक्तदाता है और कई बार रक्तदान कर चुके है।

वह विभागीय कर्मचारियों को रक्तदान के लिए प्रेरित करते रहते है। श्री नेगी की प्रेरणा से ही वह नियमित रक्तदान कर रहे है।

कार्यशाला में महिलाएं सीख रही आत्मनिर्भर बनने के गुर

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : अभ्युदय परिवार द्वारा आओ सीखें कार्यशाला में बच्चों और महिलाओं के उत्साहवर्धक हेतु पहुंचे ब्लॉक प्रमुख रणवीर सिंह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख रनवीर सिंह, महिपाल सिंह रावत, योगेश शाह, भगवती सिंह, विमल, भावना वर्मा ने संयुक्त रूप से किया। ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला से बच्चों का बहुमुखी विकास होता बच्चों को अपनी प्रतिभा का विकास करने का अवसर प्रदान होता है। भावना वर्मा ने कहा कि बच्चें और महिलाएं प्रशिक्षण को लेकर काफी उत्साहित है। कार्यशाला में शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे और महिलाएं प्रतिभाग कर रही है। कार्यशाला में फायरलैस कुकिंग, नमक बनाने, मेहंदी, क्राफ्ट, चित्रकला, सेल्फ मेकअप, सिलाई, शीतल पेय पदार्थ बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यशाला का संचालन मीना अधिकारी ने किया। इस मौके पर उपासना अग्रवाल, बीना खंडेलवाल, मोनिका अग्रवाल, भावना सती, खुशी रावत, रूचिका, राज, लक्ष्मी थापा, ईशा, भूमि, अनीता वेदी, अनन्या डबराल, कविता बिष्ट, शीतल खंडेलवाल आदि मौजूद थे।

उत्तर रेलवे

(मुरादाबाद मण्डल)

निविदा सूचना

क्र सं.	कार्य का नाम एवं लोकेशन	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्यूरिटी राशि (रु.)	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवम कार्यालय का पता
1	20/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा / मुरा./2026:– मुरादाबाद डिवीजन के डीडीएन (सं0 72), वाईएनआरके (सं015) और बीई (सं030) कोचिंग डिपो में विद्युत प्रणाली में बारिश के पानी के प्रवेश को रोकने के लिए एलएचबी कोचों के स्विच बोर्ड कैबिनेट (एसबीसी) के ऊपर एसएस प्लेट ड्रेन ट्रे की व्यवस्था।	859489.02 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद	17200.00	6 (छः) माह	निविदाये दिनांक 01.07.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय/ मुरादाबाद
2	21/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा / मुरा./2026:– बरेली और मुरादाबाद स्टेशनों पर विद्युत संपत्तियों के उन्नयन के लिए विद्युत कार्य (चरण I)	5189905.52 (जीएसटी सहित)		103800.00			

निविदा सूचना सं. : 22/2026 दिनांक : 09.06.2026 1978/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

डर के साये में जीवन यापन

उत्तराखंड के पहाड़ों में निवास करने वाले ग्रामीणों के लिए सिर्फ मौसम ही चुनौती नहीं है बल्कि जंगली जानवर उनके दिनचर्या में एक अभिशाप बनकर खतरा बने हुए हैं। ताजा मामले में गढ़वाल वन प्रभाग की पौड़ी रेंज कोट ब्लॉक में गुलदार ने एक ग्रामीण महिला को मौत के घाट उतार दिया।अकेले पौड़ी क्षेत्र में ही बीते सात महीनों में गुलदार के हमलों में लगभग सात लोगों की मौत हो चुकी है। स्थिति यह बन गई है कि गढ़वाल के पर्वतीय क्षेत्रों में जंगली जानवरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। गुलदार, भालू, जंगली सूअर और बंदरों के हमलों से ग्रामीणों का जीवन कठिन हो गया है। शाम ढलते ही लोग घरों से बाहर निकलने में डर महसूस करते हैं, जबकि महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। खेतों में काम करना और पशुओं को चराने ले जाना भी जोखिम भरा बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जंगली जानवर अब जंगलों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि गांवों और घरों के आसपास तक पहुंच रहे हैं। इससे मानव–वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। कई क्षेत्रों में फसलें जंगली सूअरों और बंदरों द्वारा बर्बाद की जा रही हैं, जिससे किसानों की आजीविका पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार उत्तराखंड में मानव–वन्यजीव संघर्ष एक बड़ी चुनौती बन चुका है। पिछले वर्षों में तेंदुए, बाघ और अन्य वन्यजीवों के हमलों में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और अनेक लोग घायल हुए हैं। इधर पौड़ी के कोर्ट ब्लॉक में महिला का शिकार करने वाले गुलदार को मार गिराया गया है लेकिन क्या इसे स्थाई हल माना जा सकता है? ऐसे तमाम प्रकरण है जिनमें नरभक्षियों को मौत के घाट उतारने के बाद एक नई खेत इन हिंसक जानवरों की तैयार हो जाती है जो नियमित तौर पर ग्रामीणों के लिए एक बड़ा खतरा बने हुए हैं। यह स्थिति केवल गुलदार और तेंदुए के साथ नहीं है बल्कि जंगली सूअर और भालू का आतंक भी ग्रामीणों के लिए एक खतरा बना हुआ है। आज पहाड़ों में बंदरों और जंगली सुअरों ने खेती को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है जबकि रही सही कसर गुलदार और तेंदुए ग्रामीणों पर हमला कर पहाड़ों में रहना दूभर कर रहे हैं।

चिंतन-मनन

जीवन का बड़ा सबक

पं. रामनाथ एक छोटी-सी जगह गुरुकुल में छात्रों को पढ़ाते थे। कृष्णनगर के राजा शिवचंद्र को यह पता लगा तो उन्हें बहुत दुख हुआ कि ऐसा महान विद्वान भी गरीबी में रह रहा है। एक दिन वह स्वयं पंडितजी से मिलने उनकी कुटिया में जा पहुंचे और बोले-पंडित जी, मैं आपकी कुछ सहायता करना चाहता हूं। पं. रामनाथ ने कहा-राजन, भगवान की कृपा ने मेरे सारे अभाव मिटा दिए हैं। मुझे अब कोई आवश्यकता नहीं रही। राजा बोले-मैं घर खर्च के बारे में पूछ रहा हूं। हो सकता है उसमें कुछ परेशानी होती हो। उन्हें जवाब मिला-इस बारे में तो गृहस्वामिनी अधिक जानती हैं। आप उन्हीं से पूछ लें।

यह सुनकर राजा गृहिणी के पास जा पहुंचे-माता, आपके घर के खर्च के लिए कोई कमी तो नहीं? गृहिणी का जवाब था- भला सर्व-समर्थ परमेश्वर के रहते उनके भक्तिं को क्या कमी रह सकती है। पहनने को कपड़े हैं। सोने को बिछौना है। पानी रखने के लिए मिट्टी का घड़ा है। भोजन की खातिर विद्यार्थी सीधा ले आते हैं। बाहर खड़ी चौलाई का साग हो जाता है। इससे अधिक की जरूरत भी क्या है? राजा श्रद्धावनत हो गए, फिर भी बोले-हम चाहते हैं कि आपको कुछ गांवों की जागीर प्रदान करें। इससे आपको भी अभाव नहीं रहेगा और गुरुकुल भी ठीक से चलता रहेगा।

राजा की यह बात सुनकर वृद्ध गृहिणी मुस्कराई-देखिए राजन, इस संसार में परमात्मा ने हर मनुष्य को जीवन रूपी जागीर पहले से दे रखी है। जो इसे अच्छी तरह से संभालना सीख लेता है, उसे फिर किसी चीज का अभाव नहीं रह जाता। यह सुनकर राजा शिवचंद्र का मस्तक झुक गया। आज उन्हें एक बड़ा सबक मिल गया था।

नफरत की आंधी में मुहब्बत का दीपक,जलता रहा है जलता रहेगा

निर्मल रानी

दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में गत 3 जून को हुए एक भीषण अग्निकांड की घटना घटित हुई। बताया जाता है कि इस अग्निकांड के परिणाम स्वरूप 21 लोगों की मौत आग से झुलसने या धुएँ में दम घुटने की वजह से हो गयी। कहा जा रहा है कि मृतकों में 9 भारतीय जबकि 12 विदेशी नागरिक थे। इस अग्निकांड में स्थानीय लोगों द्वारा लगभग 49 लोगों को उनकी जान बचाकर सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस अग्निकांड में रियाजुद्दीन नामक एक मुस्लिम गद्दा व्यापारी ने अपनी सूझबूझ,तत्परता व मानवता के चलते अग्निकांड में फंसे लगभग 15 लोगों की जान बचाकर काफी सुर्खियां बटोरीं। घटनास्थल के करीब ही रियाजुद्दीन की गद्दों (मैट्रेस) की दुकान है। रियाजुद्दीन व उनके बेटे ने आग की लपटें बढ़ते ही अपने नफे-नुकसान की परवाह किये बिना अपनी दुकान के सारे गद्दे जलते हुये भवन के ठीक नीचे एक पर एक रखकर बिछा दिये। इनके अतिरिक्त अफजल, मोहम्मद शाहरुख , मोहम्मद अनीस, मोहम्मद आमिर और मोहम्मद वसीम ने भी अपनी जान पर खेल कर लोगों की जान बचाने में मदद की। नतीजतन लगभग 15 प्रभावित लोगों ने जलते हुये भवन की खिड़कियों से उन्हीं गद्दों पर कूद कर अपनी जान बचाई। हालाँकि इस दौरान रियाजुद्दीन के करीब 2 लाख रुपए के गद्दे क्षति ग्रस्त हो गये। आज स्थानीय लोग यह कहने को मजबूर हैं कि रियाजुद्दीन ने फरिश्ता बनकर लोगों की जान बचाई।

रियाजुद्दीन व उनके बेटे के इस समझदारी भरे साहसिक कार्य के लिये उनकी चौतरफा प्रशंसा की जा रही है। लोग उनके गद्दों की क्षतपूर्ति के लिये व उनके साहसिक कार्य के लिये उनसे मिल रहे हैं उन्हें सम्मानित कर रहे हैं यहाँ तक कि उन्हें आर्थिक सहायता दे रहे हैं। उधर रियाजुद्दीन ने उन्हें आर्थिक सहायता देने वालों से पैसे न भेजने की अपील की है। स्थनीय भाजपा विधायक सतीश उपाध्याय ने इनकी तारीफ करते हुये कहा कि आज के जांबाजों को सलाम। हौज रानी, मालवीय नगर में लगी भीषण आग के दौरान इन साहसी नागरिकों ने मदद की और यहां तक कि लोगों को सीपीआर भी दिया। मुझे आप पर बहुत गर्व है। यही इंसानियत है, जो सबसे ऊपर है और सबसे बड़ा धर्म है। निश्चित रूप से यह घटना इंसानियत व धर्म से ऊपर साहस व मानवता की मिसाल बन गई है। एक मुस्लिम व्यापारी ने अपने आर्थिक नुकसान की परवाह किए बिना हिन्दू व अन्य धर्मों के लोगों की जान बचाई, और हिन्दू विधायक व अनेक संस्थाओं ने उसे सम्मान व नकद इनाम दिया।

इसी तरह महाकुंभ 2025 को मौनी अमावस्या पर इलाहाबाद में मची भगदड़ को याद कीजिये जब हजारों हिंदू तीर्थ यात्रियों को मुस्लिम बस्तियों, मस्जिदों और इमामबाड़ों में शरण मिली थी । 28-29 जनवरी 2025 को रात 1-2 बजे के बीच प्रयागराज में संगम नोज और अखाड़ा मार्ग पर मौनी अमावस्या के पावन स्नान पर करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच गए थे जिससे शहर की 90 लाख आबादी में दस गुना भीड़ उमड़ पड़ी थी। इसी बीच रात 1 बजे के पास संगम तट से पहले बने द्वार पर भीड़ इतनी बढ़ गई कि भगदड़ जैसी स्थिति बन गयी। तभी अखाड़ा मार्ग पर लगे बैरिकेड्स को फांदकर कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गये जिससे वहां अफरातफरी मच गई। क्राउड मैनेजमेंट के लिए रास्ते रोके जाने से लोगों को और भी परेशानी का सामना करना पड़ा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस भगदड़ में 30 लोग हताहत हो गए थे। शहर के रास्तों से अनजान लोग अपनी जान बचाने के लिये कई मुस्लिम बस्तियों में प्रवेश कर गये। उसी बीच सर्दी की रात में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने करुणा और सांप्रदायिक सौहार्द्र की मिसाल पेश कर मानवता का सन्देश दिया था। मुस्लिम लोगों ने भगदड़ के बाद शहर की अनेक मस्जिदों, दरगाहों, इमामबाड़ों व अनेक अल्पसंख्यक संस्थानों में हजारों हिंदू तीर्थयात्रियों को शरण दी और उन्हें परदेस में भी सुरक्षित रहने का एहसास दिलाया। उन्हें जरूरत के अनुसार चाय,नाश्ता,खाना,रजाई,कंबल,दवाइयां आदि मुहैय्या कराई। यह घटना भी सांप्रदायिक सौहार्द्र और इंसानियत की बड़ी मिसाल के रूप में सामने आई जब अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय ने हिंदू तीर्थयात्रियों की मदद कर धार्मिक भावनाओं से ऊपर उठकर मानवता का परिचय दिया।

साम्प्रदायिक सद्भाव पेश करने वाली दिसंबर 2015 की वह घटना भी याद कीजिये जब चेन्नई में आई भयानक बाढ़ में मस्जिदों में हिंदुओं और ईसाइयों को पनाह मिली थी। उन दिनों 1 दिसंबर 2015 से शुरू हुई बारिश एक सप्ताह तक लगातार चली थी।। इसे चेन्नई में 100 वर्षों में सर्वोच्च वर्षा के रूप में रिकॉर्ड किया गया था। बाढ़ का पानी कुछ क्षेत्रों में तो दो मंजिलों तक पहुँच गया था। डैम के गेट खोलने के बाद शहर के कई हिस्से पूरी तरह डूब गए थे। चेन्नई में इसी बाढ़ में 260 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। उस दौरान भी यहाँ की कई मस्जिदों के दरवाजे बाढ़ पीड़ित हिन्दुओं व ईसाईयों के लिये कई हफ़्तों के लिये खुल गये थे। बाढ़ पीड़ितों को मस्जिद में पनाह के साथ साथ रसद व दवाइयां भी मुहैय्या कराई गई थीं। उसी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में प्रसूतावस्था में पीड़ित एक हिन्दू महिला की यूनुस नामक एक मुसलमान ने जान बचाकर उसे अस्पताल तक पहुँचाया। बाद में सुरक्षित डिलेवरी होने पर उस हिन्दू महिला और उसके पति ने अपनी नवजात बच्ची का नाम यूनूस रखा। यह घटना भी धार्मिक सौहार्द और मानवता की एक प्रेरणादायक मिसाल है । इसी तरह 2023 में पंजाब में आई भीषण बाढ़ में मुस्लिम समुदाय ने बिना किसी भेदभाव के सभी प्रभावित लोगों की मदद की थी। जमात-ए-इस्लामी हिंद और जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसी संस्थाओं ने बाढ़ प्रभावितों को राशन, दवाइयां, व कपड़े वितरित किए थे । तमाम मुस्लिम स्वयंसेवकों ने सिख और हिंदू समुदायों के साथ मिलकर बचाव कार्यों में हिस्सा लिया था । यहाँ भी उस समय बाढ़ प्रभावित इलाकों की कुछ मस्जिदों को अस्थायी आश्रय स्थल के रूप में खोला गया था। देशभर के मुसलमान संकट की इस घड़ी में पंजाब के बढ़ प्रभावित लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े दिखाई दिये थे। एक तरफ जहां सत्ता के भूखे भेड़िये देश की सामाजिक एकता को तार तार करने पर तुले हैं वहीं देश भर में साम्प्रदायिक सद्भाव की ऐसी अनगिनत मिसालें भी देखने सुनने को मिलेंगी जब हिन्दुओं ने मुसलमानों की व मुसलमानों ने हिन्दुओं की जान बचाई व संकट की घड़ी में एक दूसरे के साथ खड़े दिखाई दिये। गोया नफरत की आंधी में मुहब्बत का दीपक हमेशा जलता रहा है जलता रहेगा।

बेरोजगारों को ठग रहे हैं गिरोहबंद जालसाज

मनोज कुमार अग्रवाल

आजकल ठग बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाने के लिए सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और फर्जी वेबसाइटों का सहारा ले रहे हैं.एक ओर देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर होती जा रही है और केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के दावे खोखले सिद्ध हो रहे हैं। इसीलिए देश के विभिन्न राज्यों से युवा पलायन करके रोजगार की तलाश में दूसरे देशों को जा रहे हैं और जो विदेश जाने का जुगाड़ नहीं कर पाते उनमें से अनेक नौकरी दिलाने का लालच देकर ठगने वाले गिरोहों का शिकार बन रहे हैं। कई बार देश विदेश तक फैले जालसाजों के गिरोह भोले भाले युवाओं को रोजगार दिलाने का झांसा देकर विदेश भेज देते हैं वहां पहुंचने पर पता चलता है कि ठगे गए लेकिन समझौता करना पड़ता है और बेहद निम्न स्तरीय काम रोजगार कर विदेश से लौटने के लिए कई कई साल वहां फंसकर रह जाते हैं।

ठगी के कुछ मुख्य प्रचलित तरीके पंजीकरण शुल्क नौकरी शुरू करने या इंटरव्यू के नाम पर एडवांस पैसों की मांग करना.फर्जी जॉइनिंग लेटर बड़ी कंपनियों या सरकारी विभागों के नकली सील-सिक्के वाले पत्र थमाना.वर्क फ्रॉम होम / पार्ट-टाइम टास्कघर बैठे लाइक करें या वीडियो देखें जैसे काम देकर शुरू में थोड़ा फायदा दिखाना और बाद में बड़ी रकम निवेश कराकर ठग लेना। आए दिन इस तरह की वारदातों की झड़ी लगी है युवाओं को रोजगार के नाम पर ठगी का शिकार बन जाने पर तमाम कैरियर चौपट हो जाता है परिवार की जमा पूंजी ठग लेकर रफूचककर हो जाते हैं इस तरह बेरोजगारों पर दोहरी मार पड़ जाती है। कुछ वारदातों से समझने का प्रयास करें।

आपको बता दें कि 2 जनवरी को अनूपशहर (उत्तर प्रदेश) के एक युवक अंकित कुमार को गृह मंत्रालय में डाटा एंट्री आप्रेटर की नौकरी दिलाने का लालच देकर उससे 16 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में दिल्ली की एक महिला के विरुद्ध केस दर्ज किया गया। 1 मार्च को नोएडा (उत्तर प्रदेश) में विदेश में ऊंची सैलरी वाली नौकरी दिलवाने का लालच देकर 100 से अधिक लोगों से लगभग 70 लाख रुपयों की ठगी करने वाले 2 जालसाजों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। 13 मार्च को गुरुग्राम में वर्क इंडिया ऐप के जरिए शिस कार्पोरेशन नामक फर्जी कम्पनी बनाकर बेरोजगारों से ट्रेनिंग और वैरीफिकेशन के नाम पर पैसे ऐंठने वाले गिरोह के विरुद्ध एफ. आई.आर. दर्ज की गई। 30 मार्च को ठाणे (महाराष्ट्र) में एक बेरोजगार युवक को रूस में अच्छी नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 2.92 लाख रुपए ठगने के आरोप में एक महिला सहित 3 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

5 मई को रायपुर (छत्तीसगढ़) ग्रामीण पुलिस ने सरकारी विभागों में नौकरी दिलवाने के नाम पर 34 लोगों से करोड़ों रुपए की वसूली करने वाले एक शिक्षक और क्लर्क को गिरफ्तार किया।28 मई को जबलपुर (मध्य प्रदेश) में नौकरी लगवाने का लालच देकर एक युवक से 1.26 लाख रुपए की ठगी मारने का मामला सामने आया। आरोपी स्वयं को नेताओं का करीबी बताकर लोगों से रुपए वसूलता था।3 जून को खटीमा (उत्तराखंड) में एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दिलवाने का लालच देकर तथा उसे फर्जी नियुक्तिपत्र देकर उससे 21 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने केस दर्ज किया 4 जून को पुणे (महाराष्ट्र) के हिंजवाड़ी फेज-2 स्थित थिंक टैक्नोलॉजी इंडिया नाम की कम्पनी द्वारा सैंकड़ों इंजीनियरिंग ग्रैजुएट्स, फ्रैशर्स और इंटर्स को नौकरी, स्टाइपेंड व स्थायी रोजगार का सपना दिखाकर लाखों रुपए ठग लेने के आरोप में कम्पनी के सी.ई.ओ. हर्षल ठाकरे को गिरफ्तार किया गया जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

5 जून को नोएडा (उत्तर प्रदेश) में होटल मैनेजमैंट के छात्रों को विदेशी क्रूज पर नौकरी दिलाने का लालच देकर 52 लाख रुपयों की ठगी करने का भंडाफोड़ हुआ। ठगों ने सोशल मीडिया विज्ञापनों और फर्जी इंटरव्यू के जरिए छात्रों को जाल में फंसाया था।

5 जून को ही सिरसा (हरियाणा) के नाथूसरी चौपटा गांव में अली मोहम्मद नामक युवक को विदेश में नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 1.90 लाख रुपए ठगने के आरोप में राजस्थान के एक आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने केस दर्ज किया।और अब 6 जून को ग्वालियर (मध्यप्रदेश) के महाराजपुरा में एक तांगा चलाने वाले को नगर निगम में नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 2.25 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के विरुद्ध केस दर्ज किया।ये तो वे चंद वारदातें हैं जो समाचारपत्रों में प्रकाशित हुए हैं। इनके अलावा भी न जाने ऐसे कितने मामले हुए होंगे जिनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। अतः नौकरी पाने के उतावले पन में नौकरी दिलवाने का दावा करने वाले लोगों की अच्छी तरह पड़ताल करने और काम हो जाने के बाद ही उन्हें पैसे देने चाहिएं।

ऐसे मामले सामने आने के बाद पुलिस को आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

शिकायत कहाँ और कैसे करें?यदि आपके साथ या किसी परिचित के साथ ऐसी ठगी हुई है, तो बिना समय गंवाए नीचे दिए गए कदम उठाएं:साइबर हेल्पलाइन : तुरंत टोल-फ्री नंबर 1930 डायल करें. यदि वित्तीय धोखाधड़ी के 2 घंटे के भीतर शिकायत की जाए, तो पैसे फ्रीज होने की संभावना बढ़ जाती है.ऑनलाइन शिकायत : गृह मंत्रालय के आधिकारिक पोर्टल साइबर क्राइम पोर्टल पर जाकर पूरी जानकारी, चैट स्क्रीनशॉट और बैंक ट्रांजैक्शन डिटेल्स अपलोड करें.लोकल पुलिस स्टेशन आप अपने नजदीकी थाने या साइबर सेल में जाकर भारतीय न्याय संहिता के तहत धोखाधड़ी की लिखित शिकायत दर्ज करा सकते हैं.बैंक को सूचित करें: जिस बैंक अकाउंट या यूपीआई से पैसे ट्रांसफर हुए हैं, उस बैंक को तुरंत सूचित कर ट्रांजैक्शन ब्लॉक करने को कहें.ठगी से बचने के जरूरी नियमपैसे कभी न दें: कोई भी असली कंपनी या सरकारी विभाग नौकरी देने के बदले पैसों की मांग नहीं करता है.वेबसाइट की जांच करें: सरकारी नौकरियों की जानकारी हमेशा सिर्फ ॅड्ड५.ल्ल या ल्ल्रू.ल्ल वाली आधिकारिक वेबसाइटों पर ही देखें.सत्यापन किसी भी अनजान नंबर से आए जॉब ऑफर पर भरोसा करने से पहले उस कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या लिंक्डइन प्रोफाइल पर जाकर वैकेंसी की पुष्टि करें जरूरत है कि जागरूक बने सावधान रहें सतर्क रहें ऐसा करके ही युवाओं को इस तरह की ठगी से बचाया जा सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

मोदी युग के बारह वर्षः विकास, विश्वास और विराट का उदय

ललित गर्ग

मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है।

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ कालखंड केवल शासन परिवर्तन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण के लिए याद किए जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते बारह वर्षों का दौर ऐसा ही एक कालखंड है। यह केवल एक प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल की कहानी नहीं है, बल्कि उस भारत की कहानी है जिसने स्वयं को नए आत्मविश्वास, नई ऊर्जा और नई वैश्विक पहचान के साथ स्वयं को स्थापित किया है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि केवल राजनीतिक सफलता नहीं है, बल्कि जनता के उस विश्वास का प्रमाण है जो बार-बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से व्यक्त हुआ है। भारत जैसा विशाल, बहुभाषी, बहुधार्मिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरा देश किसी नेतृत्व को लगातार तीन बार राष्ट्रीय जनादेश दे, यह अपने आप में असाधारण एवं ऐतिहासिक घटना है।

मोदी युग की सबसे बड़ी विशेषता केवल विकास नहीं, बल्कि विकास और विश्वास का समन्वय है। नेहरू युग को आधुनिक भारत के निर्माण का काल कहा गया, तो मोदी युग को उस भारत के आत्मविश्वास के पुनर्जागरण का काल कहा जा सकता है। मोदी ने केवल सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों और डिजिटल नेटवर्क का निर्माण नहीं किया, बल्कि करोड़ों भारतीयों के मन में यह विश्वास भी जगाया कि भारत किसी से कम नहीं है और वह विश्व मंच पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा सकता है। मोदी की सबसे विलक्षण विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता संचालन का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे जनभावनाओं और राष्ट्रीय आकांक्षाओं से जोड़ा। वे उन विरले नेताओं में हैं जिन्होंने सरकारी योजनाओं को केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं रहने दिया, बल्कि उन्हें जनआंदोलन का स्वरूप दिया। स्वच्छ भारत अभियान इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। सफाई का विषय जो कभी सरकारी विभागों तक सीमित था, उसे राष्ट्रीय चरित्र और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ दिया गया।

मोदी युग को भारत की गुम होती सांस्कृतिक अस्मिता की पुनर्स्थापना के लिए भी याद किया जाएगा। सदियों से उपेक्षित राष्ट्रीय प्रतीकों, तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक विरासत को नई गरिमा मिली। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक चेतना के सम्मान का प्रतीक बना। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारनाथ पुनर्निर्माण और सोमनाथ जैसे तीर्थों का विकास यह संकेत देता है कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि

पूरक हो सकती हैं। मोदी की एक और विशेषता यह है कि उन्होंने भारत की विदेश नीति को आत्मविश्वास का नया आयाम दिया। कभी विश्व शक्तियों के बीच संतुलन साधने वाला भारत आज वैश्विक विमर्श को प्रभावित करने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, पश्चिम एशिया का संकट हो, जी-20 का नेतृत्व हो अथवा वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की आवाज उठाने का प्रश्न- भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई है। यह वही भारत है जिसे कभी विकासशील देशों की कतार में खड़ा माना जाता था, लेकिन आज दुनिया उसकी ओर समाधान प्रदाता राष्ट्र के रूप में देख रही है।

इन बारह वर्षों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह भी है कि शासन के केंद्र में पहली बार अंतिम व्यक्ति को रखने का गंभीर प्रयास दिखाई दिया। जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, मुफ्त राशन योजना तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने करोड़ों गरीबों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया। शासन की पारदर्शिता बढ़ी और बिचौलियों की भूमिका सीमित हुई। डिजिटल इंडिया अभियान ने तकनीक को केवल महानगरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की नेतृत्व शैली का एक विशिष्ट पक्ष उनका संकल्पबोध है। वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उन्हें राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देते हैं। चाहे 370 का उन्मूलन हो, तीन तलाक पर रोक हो, जीएसटी लागू करना हो, महिला आरक्षण विधेयक हो अथवा नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति-इन सभी निर्णयों में राजनीतिक जोखिम था, लेकिन उन्होंने जोखिम उठाने का साहस दिखाया। यही साहस उन्हें सामान्य राजनेताओं से अलग करता है।

हालांकि, किसी भी लोकतांत्रिक शासन की तरह चुनौतियां भी कम नहीं हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमताएं तथा आर्थिक अवसरों का असमान वितरण ऐसे प्रश्न हैं जिनका समाधान अभी अपेक्षित है। भारत यदि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य प्राप्त करना चाहता है तो केवल आर्थिक वृद्धि पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ चिकित्सा, रोजगार सृजन और भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। मोदी सरकार के आगामी वर्षों से सबसे बड़ी अपेक्षा यही है कि वह भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपने अभियान को और अधिक प्रभावी बनाए। भारत को ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जहां ईमानदारी अपवाद नहीं, सामान्य व्यवहार बने। शिक्षा और स्वास्थ्य को व्यावसायिक माफियाओं के प्रभाव से मुक्त कर आम नागरिक की पहुंच में लाना भी समय की मांग है। साथ ही उद्यमिता को बड़े औद्योगिक घरानों तक सीमित रखने के बजाय गांवों, युवाओं और महिलाओं तक पहुंचाना होगा ताकि प्रत्येक नागरिक रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुझे अनेक अवसरों पर मिलने और उन्हें निकट से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वर्ष 2007 में, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में पूज्य आदिवासी जैन संत गणि राजेंद्र विजयजी के सान्निध्य में आयोजित एक विराट आदिवासी सम्मेलन में उनसे विस्तृत संवाद का अवसर मिला। उस सम्मेलन में वे केवल औपचारिक अतिथि के रूप में नहीं आए थे, बल्कि अपने संपूर्ण मंत्रिमंडल के साथ उपस्थित होकर आदिवासी समाज के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। उसी अवसर पर उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के शैक्षिक उत्थान हेतु एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय को हमारे सुखी परिवार फाउंडेशन को संचालित करने के लिए प्रदान किया तथा आदिवासी विकास की दिशा में ऐतिहासिक 15,000 करोड़ रुपये की वनबंधु कल्याण योजना की घोषणा की। यह उनकी दूरदृष्टि और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की सोच का प्रमाण था। इसी सम्मेलन के दौरान एक अत्यंत रोचक और ऐतिहासिक प्रसंग भी सामने आया। गणि राजेंद्र विजयजी ने नरेंद्र मोदी से कहा-'अब आपको दिल्ली जाना चाहिए और देश की बागडोर संभालनी चाहिए।' उस समय मोदीजी ने सहज मुस्कान के साथ उत्तर दिया-'मुझे दिल्ली कौन ले जाएगा?' किंतु संतों की वाणी में एक विशेष शक्ति होती है। जो बात उस समय एक साधारण संवाद प्रतीत हुई, वही कुछ वर्षों बाद भविष्यवाणी के रूप में सत्य सिद्ध हुई।

उन दिनों गुजरात सचिवालय में भी अनेक बार जाने और मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर मिला। वहां जो सबसे अधिक प्रभावित करने वाली बात थी, वह उनकी कार्यसंस्कृति का प्रभाव था। सचिवालय में बड़े से बड़े आईएएस अधिकारी भी आत्मानुशासन, समयपालन और स्वावलंबन का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते थे। अपने छोटे-छोटे कार्य स्वयं करना, अनावश्यक तामझाम से दूर रहना, समय का सदुपयोग करना और जिम्मेदारी को सर्वोपरि मानना वहां की प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बन चुका था। स्पष्ट महसूस होता था कि यह कार्यशैली शीर्ष नेतृत्व की प्रेरणा से विकसित हुई है। नरेंद्र मोदी केवल आदेश देने वाले प्रशासक नहीं हैं, बल्कि अपने आचरण से व्यवस्था को दिशा देने वाले नेतृत्वकर्ता हैं। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को कौशल, नवाचार और उद्यमिता से जोड़ा गया तो भारत केवल विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो सकता है। इसी प्रकार महिला शक्ति को विकास की मुख्यधारा में पूर्ण भागीदारी देकर राष्ट्र निर्माण की गति को कई गुना बढ़ाया जा सकता है। मोदी युग की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद आंकड़ों, परियोजनाओं या चुनावी जीतों में नहीं, बल्कि उस मनोवैज्ञानिक परिवर्तन में है जो भारत के जनमानस में दिखाई देता है। नरेंद्र मोदी ने बारह वर्षों में विकास की संरचनाएं खड़ी की हैं, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने करोड़ों भारतीयों के भीतर भविष्य के भारत की एक आकांक्षा जगाई है। 2047 के विकसित भारत का उनका संकल्प तभी साकार होगा जब विकास के साथ विश्वास, समृद्धि के साथ समान अवसर और शक्ति के साथ संवेदनशीलता भी जुड़ेगी। यदि यह संतुलन बना रहता है, तो इतिहास मोदी युग को केवल एक लंबे राजनीतिक कार्यकाल के रूप में नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और वैश्विक उदय के युग के रूप में याद करेगा।

संक्षिप्त समाचार

शांति वार्ता के बीच बंदूकधारियों का हमला, नाइजीरिया में 39 लोगों का अपहरण

अबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में शांति वार्ता के दौरान सशस्त्र हमलावरों ने 39 लोगों का अपहरण कर लिया। पुलिस प्रवक्ता याजीद अबूबकर के अनुसार, कुल 47 ग्रामीण एक कुख्यात अपहरण गिरोह के सरगना के माता-पिता से सुलह और शांति वार्ता के लिए मिले थे। इसी दौरान गिरोह का सरगना अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और अधिकांश लोगों को अगवा कर ले गया। यह सामूहिक अपहरण रविवार को मगामिन डिड्डी समुदाय में हुआ, जो मरादुन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। उत्तरी नाइजीरिया के कई इलाकों में लगातार हो रहे हमलों और कमजोर सुरक्षा व्यवस्था के कारण स्थानीय समुदाय अक्सर सशस्त्र गिरोहों के साथ सीधे बातचीत और समझौते का रास्ता अपनाते हैं। लोगों का मानना है कि सेना उन्हें पर्याप्त सुरक्षा देने में विफल रही है। नाइजीरिया इस समय गंभीर सुरक्षा संकट का सामना कर रहा है। खासकर देश के उत्तरी हिस्सों में एक दशक से अधिक समय से जारी उग्रवाद, फिरौती के लिए अपहरण करने वाले सशस्त्र गिरोहों और अवैध खनन गतिविधियों ने हालात को और जटिल बना दिया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पूर्वोत्तर नाइजीरिया में जारी विद्रोह और हिंसा के कारण हजारों लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लाखों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं।

क्यूबा के पास 6.1 तीव्रता का भूकंप; फ्लोरिडा और मेक्सिको तक झटके महसूस हुए

मंटुआ, एजेंसी। क्यूबा के उत्तर-पश्चिमी तट के पास सोमवार को 6.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्रस) के मुताबिक, भूकंपका केंद्र पश्चिमी क्यूबा के मंटुआ शहर से करीब 104 किलोमीटर दूर समुद्र में था। इसकी गहराई लगभग 26 किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप के झटकों से क्यूबा के कई इलाकों में इमारतें हिल गईं और लोग घरों व दफ्तरों से बाहर निकल आए। राजधानी हवाना समेत कई शहरों में कंपन महसूस किया गया। झटकों का असर अमेरिका के फ्लोरिडा तक पहुंचा। मियामी, फोर्ट लॉडरडेल और ऑरलैंडो के आसपास के इलाकों में भी लोगों ने कंपन महसूस होने की जानकारी दी। एहतियात के तौर पर कुछ सरकारी कार्यालय खाली कराए गए। मेक्सिको के युकाटान प्रायद्वीप, कैंकून, प्लाया डेल कारमेन और टुलुम में भी झटके महसूस किए गए। हालांकि क्यूबा, अमेरिका और मेक्सिको में कहीं से भी बड़े नुकसान या जनहानि की खबर नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस इलाके में इतने शक्तिशाली भूकंप बेहद दुर्लभ हैं। 1880 के बाद पहली बार इतनी तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया है। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। हालांकि अधिकारियों ने लोगों को आफ्टरशॉक की संभावना को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है।

ओमान तट के पास हमले का शिकार हुआ टैंकर था प्रतिबंधित

मस्कट, एजेंसी। सोमवार को ओमान तट के पास हमले के बाद आग की चपेट में आए पलाऊ-ध्वज वाला तेल टैंकर एमटी मारिवेक्स पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा दिया था। इस जहाज पर हुए हमले के बाद जहाज पर सवार सभी 24 भारतीय चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया है। बचाव अभियान में ओमान के अधिकारियों ने अहम भूमिका निभाई। एमटी मारिवेक्स पर अमेरिकी नौसेना की कार्रवाई के बाद आग लग गई थी। यह पोत अमेरिकी वित्त मंत्रालय की एजेंसी ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी) द्वारा प्रतिबंधित और ब्लैकलिस्टेड जहाजों की सूची में शामिल था। बताया गया है कि ओएफएसी उन जहाजों के खिलाफ कार्रवाई करता है जो ईरान और रूस के तेल व्यापार पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हैं। यह जहाज भारतीय स्वामित्व वाला नहीं है और हाल के दिनों में उसने ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी निगरानी और नाकेबंदी को पार करने के चार प्रयास किए थे। तीन बार अमेरिकी नौसेना की चेतावनी के बाद जहाज को वापस लौटना पड़ा था। एक अधिकारी ने बताया, 'जहाज पर मौजूद सभी 24 भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं।' उन्हें ओमानी अधिकारियों की मदद से बचा लिया गया है।

इजरायली मिसाइलों ने उड़ाया ईरान का पेट्रोकेमिकल प्लांट; हमले के बाद नेतन्याहू ने बुलाई इमरजेंसी मीटिंग

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। अप्रैल में हुए युद्धविराम के ठीक दो महीने बाद, 7 जून को ईरान और इजरायल के बीच सीधी सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू हो गई है। इजरायली वायुसेना ने सोमवार की सुबह ईरान के आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण ठिकानों पर भीषण हमले किए हैं, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में युद्ध के बादल मंडराने लगे हैं। लेबनान में हिज्बुल्लाह पर इजरायली हमलों के जवाब में ईरान ने रविवार रात को इजरायल के कई इलाकों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

रूस ने पाकिस्तान के साथ कर लिया बड़ा समझौता, दोनों देश मिलकर करेंगे मुकाबला

बिश्केक, एजेंसी। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के गृह और सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रियों की अहम बैठक के दौरान पाकिस्तान और रूस के बीच एक बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। पाकिस्तानी गृह मंत्रालय के मुताबिक, दोनों देशों ने अवैध इमिग्रेशन और नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए एक साथ मिलकर काम करने का फैसला किया है।

पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी इस विशेष बैठक में हिस्सा लेने के लिए बिश्केक में मौजूद थे। इस दौरे पर उन्होंने रूस के अलावा कई अन्य सदस्य देशों के नेताओं से भी मुलाकात की, जिसमें अफगानिस्तान से पनप रहे 'आतंकवाद' का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया।

रूस के साथ समझौते की अहम बातें : पाकिस्तानी गृह मंत्रालय के अनुसार, गृह मंत्री मोहसिन नकवी और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर कोलोकोल्त्सेव के बीच जिन समझौतों पर मुहर लगी है, वे इस प्रकार हैं- अवैध नागरिकों का डिपोर्टेशन: पाकिस्तान के गृह मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, दोनों देश एक-दूसरे के यहां अवैध रूप से रह रहे नागरिकों की पहचान करने और उनकी वतन वापसी सुनिश्चित करने में एक-दूसरे की मदद करेंगे।

घुसपैठ पर लगाम: अवैध इमिग्रेशन को रोकने के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाया जाएगा ताकि गैर-कानूनी तरीके से होने वाली आवाजाही को रोका जा सके। ड्रग्स तस्करी पर एक्शन: नशीले पदार्थों की हेराफेरी को जड़ से खत्म करने के लिए भी दोनों पक्षों के बीच एक अलग और महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। इसके तहत ड्रग सिंडिकेट्स के खिलाफ साझा कार्रवाई की जाएगी।

अन्य देशों के साथ भी मजबूत हो रहे रिश्ते : एससीओ के मंच का फायदा उठाते हुए पाकिस्तानी गृह मंत्री ने उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और कजाकिस्तान के प्रतिनिधियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं।

उज्बेकिस्तान: उज्बेक गृह मंत्री अजीज ताशपुलातो के साथ लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसियों (कानून लागू करने वाली संस्थाओं) के बीच सहयोग और जॉइंट ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने पर चर्चा हुई। इसके लिए दोनों देशों के गृह मंत्रालयों के बीच एक 'वर्किंग ग्रुप' बनाने का भी फैसला लिया गया।

किर्गिस्तान: किर्गिस्तान के गृह मंत्री उलान नियाजबेकोव के साथ आपसी हितों वाले क्षेत्रों में सहयोग के विस्तार पर सहमति बनी। नकवी ने किर्गिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का गैर-स्थायी सदस्य चुने जाने पर बधाई दी और सफल बैठक के शानदार इंतजामों के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।

कजाकिस्तान: कजाख समकक्ष यर्झान सादेनोव के साथ अवैध इमिग्रेशन को रोकने के लिए द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने और आपसी रिश्तों को मजबूत करने के लिए एक वर्किंग ग्रुप बनाने पर रजामंदी हुई। अफगानिस्तान में रूस का 'डबल गेम', तालिबान से बढ़ती दोस्ती और पाकिस्तान की बढ़ी टेंशन! दूसरी तरफ रूस और अफगानिस्तान के बीच बढ़ती नजदीकियों ने क्षेत्रीय कूटनीति में बड़ी हलचल पैदा कर दी है। कूटनीतिक मामलों की प्रतिष्ठित पत्रिका 'द डिप्लोमैट' की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, रूस अब अफगानिस्तान को लेकर एक बेहद सधी हुई दोहरी रणनीति पर काम कर रहा है। मॉस्को और तालिबान के बीच तेजी से गहरे होते संबंध इस बात का साफ इशारा हैं कि अफगानिस्तान की विदेश नीति में बड़े बदलाव आ रहे हैं और इस पूरे खेल में सबसे ज्यादा नुकसान पाकिस्तान को उठाना पड़ रहा है।

रूस की दोहरी रणनीति क्या है : रिपोर्ट के मुताबिक, रूस अफगानिस्तान के मामले में एक साथ दो अलग-अलग मोर्चों पर काम कर रहा है।

आतंकवाद पर सार्वजनिक रुख: रूस एक तरफ सार्वजनिक मंचों पर अफगानिस्तान से पनपने वाले आतंकवाद के मुद्दे को प्रमुखता से उठा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य मध्य एशिया के देशों में अपनी व्यापक सुरक्षा भूमिका और सैन्य दखल को सही ठहराना है। तालिबान के साथ सुरक्षा गठजोड़: वहीं दूसरी तरफ, रूस पर्दे के पीछे तालिबान के साथ अपने सुरक्षा संबंधों का लगातार विस्तार कर रहा है। मॉस्को का लक्ष्य तालिबान के साथ इस रणनीतिक गठजोड़ के जरिए मध्य एशिया में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखने के लिए एक ठोस जमीनी हथियार तैयार करना है।

पाकिस्तान के लिए सिकुड़ती जा रही है जमीन : रूस और तालिबान के बीच इस नए समीकरण ने पाकिस्तान के रणनीतिक दांव-पेंच को बुरी तरह उलझा दिया है। रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया है कि पाकिस्तान के लिए अब अफगानिस्तान में पैंतरेबाजी की गुंजाइश लगातार खत्म होती जा रही है। रूस के साथ नए समझौते और संबंध स्थापित होने के बाद, अफगानिस्तान (काबुल) अब इस स्थिति का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ एक 'लेवरेज' या कूटनीतिक हथियार के तौर पर कर रहा है। पहले जो पाकिस्तान अफगानिस्तान के मामलों में एक 'रिंगमास्टर' की भूमिका में खुद को देखता था, अब रूस की सीधी एंट्री और तालिबान की स्वतंत्र विदेश नीति के कारण उसका प्रभाव तेजी से घट रहा है।

जर्मनी-फ्रांस ने 100 अरब यूरो की संयुक्त फाइटर जेट परियोजना छोड़ी

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी और फ्रांस ने नई पीढ़ी के लड़ाकू विमान के संयुक्त विकास की महत्वाकांक्षी फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम (एफसीएएस) परियोजना के मुख्य हिस्से को समाप्त करने पर सहमति बनाई है। एयरबस और दसॉ एविएशन के बीच लंबे समय से जारी तकनीकी और व्यावसायिक विवादों का समाधान नहीं निकलने के बाद दोनों देशों ने यह फैसला लिया। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पिछले सप्ताह मोंटेनेग्रो में आयोजित ईयू-वेस्टर्न बाल्कन्स समिट के दौरान परियोजना पर चर्चा की। जर्मन अधिकारियों के अनुसार, दोनों नेताओं ने माना कि परियोजना में शामिल कंपनियों के बीच जारी गतिरोध समाप्त होने की संभावना नहीं है। इसके बाद मर्ज ने मैक्रों को संयुक्त फाइटर जेट निर्माण योजना आगे नहीं बढ़ाने की सलाह दी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि एयरबस और दसॉ एविएशन के बीच समझौता नहीं हो पाने पर दोनों नेताओं ने खेद जताया। विवाद का केंद्र विकास चरण पर नियंत्रण, बौद्धिक संपदा अधिकार और विमान की तकनीकी आवश्यकताओं को लेकर था। करीब 100 अरब यूरो की इस परियोजना की शुरुआत 2017 में मैक्रों और तत्कालीन जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने की थी। बाद में स्पेन भी इसमें शामिल हुआ। परियोजना के तहत एक छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान, ड्रोन नेटवर्क और सुरक्षित 'कॉम्बैट क्लाउड' प्रणाली विकसित की जानी थी। सूत्रों के मुताबिक, मुख्य फाइटर जेट कार्यक्रम भले बंद हो जाए, लेकिन 'कॉम्बैट क्लाउड' जैसे कुछ तकनीकी सिस्टम एफसीएएस नाम के तहत आगे बढ़ाए जा सकते हैं। एफसीएएस को यूरोप की सबसे महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजनाओं में गिना जा रहा था। इस मुद्दे पर बोलते हुए जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा, 'सैन्य विमानों के निर्माण की विशेषज्ञता जर्मनी में पहले से ही मौजूद है। जर्मन उद्योग अब अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकता है और उसे करना भी चाहिए।' वहीं, जर्मनी की ग्रीन पार्टी की सह-नेता फ्रांज़िस्का ब्रांटनर ने इसे महाद्वीप की रक्षा नीति के लिए एक गंभीर झटका बताया। जर्मनी और फ्रांस ने अपनी महत्वाकांक्षी संयुक्त लड़ाकू जेट परियोजना को जारी रखने के बजाय, अब 'कॉम्बैट क्लाउड' प्रणाली पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बनाई है। इस प्रणाली का उद्देश्य विमानों, ड्रोनों और सेंसरों को आपस में जोड़कर युद्ध क्षमताओं को बढ़ाना है। दोनों देशों के रक्षा अधिकारियों के मध्य जुलाई में मिलने और छोटे पैमाने की परियोजनाओं के माध्यम से सहयोग को फिर से स्थापित करने की उम्मीद है।

दुबई में भीषण सड़क हादसा, अचानक रुके ट्रक में टक्कर से बस के उड़े परखच्चे, 7 भारतीयों की मौत से मचा हाहाकार!

दुबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई शहर में सोमवार को सड़क के बीच अचानक एक ट्रक रुक जाने से पीछे आ रही मिनीबस उससे टकरा गई। इस दुर्घटना में कई भारतीय कामगारों की जान चली गई। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दुबई में हुई इस दुखद सड़क दुर्घटना से हम बेहद व्यथित हैं, जिसमें कई भारतीय कामगारों की मौत हुई है। भारतीय दूतावास ने कहा कि वह हरसंभव सहायता और सहयोग प्रदान करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। दुबई पुलिस के यातायात विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि तकनीकी खराबी के कारण ट्रक अचानक सड़क के बीच में रुक गया था। उन्होंने कहा कि बस चालक ने कथित तौर पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया और सुरक्षित दूरी भी नहीं रखी, जिसके कारण बस ट्रक से पीछे से टकरा गई। ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार तकनीकी खराबी के चलते ट्रक अमीरात रोड के बीचोंबीच अचानक रुक गया था। उन्होंने बयान में कहा, 'बस चालक ने कथित तौर पर ध्यान नहीं दिया और सुरक्षित दूरी बनाए नहीं रखी, जिसके चलते उसने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी।' उन्होंने आगे बताया कि इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 अन्य घायल हुए हैं। घायलों में पांच की हालत गंभीर और चार की स्थिति मध्यम बताई गई है। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने अस्पताल जाकर घायल भारतीयों से मुलाकात की। दूतावास ने कहा कि इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। ब्रिगेडियर जुमा सलेम ने बताया कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए यातायात दुर्घटना जांच अनुभाग के विशेषज्ञों को घटनास्थल पर भेजा गया है, ताकि वे निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र कर सकें।

रावलकोट में पाकिस्तानी रेंजर्स और प्रदर्शनकारियों में झड़प, गोलीबारी में 11 की मौत

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर एक बार फिर से भारी अशांति और भयानक हिंसा की चपेट में आ गया है। यहां सक्रिय नागरिक संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर कड़े प्रतिबंध के बाद हालात बहुत ज्यादा बिगड़ गए हैं। रावलकोट में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई भयंकर झड़पों में 11 लोगों की मौत हो गई है। इस खौफनाक हिंसा में 70 से अधिक लोग बुरी तरह से घायल भी बताए जा रहे हैं। यह भारी हिंसा ऐसे समय में भड़की है जब पूरे क्षेत्र में 9 जून को पूर्ण बंद का बड़ा आह्वान किया गया था। रॉयटर्स के अनुसार हालात तब बिगड़े जब समर्थक एक अस्पताल की मोर्चरी के बाहर बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए। वहां संगठन के एक कार्यकर्ता का शव रखा गया था जिसकी पहले हुई गोलीबारी में मौत हो गई थी। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने कड़ी कार्रवाई की जिससे बवाल बढ़ गया।

पुलिस और सुरक्षाबलों की कार्रवाई : पुंछ सेक्टर के कमिश्नर सरदार वहीद खान ने बताया कि इस खौफनाक हिंसा के दौरान कई जानें गई हैं। कुछ उपद्रवियों ने सीधे सुरक्षा बलों पर अपनी गोलीबारी शुरू कर दी थी जिसके बाद यह भयानक जवाबी कार्रवाई हुई। पुलिस प्रमुख लियाकत मलिक ने साफ बताया कि 23 सुरक्षाकर्मी और करीब 50 प्रदर्शनकारी बुरी तरह से घायल हुए हैं। हिंसा को रोकने के लिए कई लोगों को हिरासत में लिया गया है।

इस ताजा और उग्र आंदोलन की सबसे बड़ी वजह विधानसभा में 12 आरक्षित सीटों को लेकर लिया गया फैसला है। 45 सदस्यीय विधानसभा में ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित की गई हैं जो अन्य हिस्सों में रहते हैं। स्थानीय संगठनों का आरोप है कि इस नई व्यवस्था से उनका अपना राजनीतिक प्रतिनिधित्व काफी ज्यादा कमजोर होगा। उनका यह भी कहना है कि क्षेत्र के फैसलों पर सिर्फ स्थानीय लोगों का ही अधिकार होना चाहिए।

मानवाधिकार आयोग ने जताई गहरी चिंता : पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने इस पूरे खौफनाक घटनाक्रम पर अपनी बहुत ही गंभीर चिंता सार्वजनिक की है। आयोग ने कहा कि वह रावलकोट की भयंकर हिंसा और समिति पर लगाए गए प्रतिबंध से बेहद चिंतित है। एक सामाजिक आंदोलन को आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंधित करना किसी भी तरह से सही नहीं है। आयोग ने केंद्र और क्षेत्रीय सरकारों से बातचीत शुरू करने और तनाव को कम करने की सीधी अपील की है। बढ़ते बवाल के बीच नेताओं ने साफ कर दिया है कि प्रतिबंध के बावजूद उनका यह आंदोलन लगातार जारी रहेगा। इस पूरे अशांत इलाके में आगामी 27 जुलाई को बहुत ही महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और कई इलाकों में मोबाइल डेटा सर्विस पूरी तरह रोक दी है। बढ़ती हिंसा के कारण बड़ी सभाओं पर भी बैन लगा दिया गया है जिससे तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

इस भयंकर तनाव को देखते हुए ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे बड़े देशों ने ट्रेवल एडवाइजरी जारी की है। इन सभी देशों ने चेतावनी दी है कि इलाके में भारी सड़क जाम और संचार सेवाओं में काफी बाधा आ सकती है।

यूएफसी का व्हाइट हाउस में डेब्यू, ट्रंप के नेतृत्व में सजेगा फ्रीडम 250 का मंच

वॉशिंगटन, एजेंसी। अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में अपना पहला इवेंट आयोजित करने की तैयारी कर रही है। इसी बीच, अमेरिकी विदेश विभाग (स्टेट डिपार्टमेंट) द्वारा मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की इस दिग्गज कंपनी के साथ स्पोर्ट्स डिप्लोमेसी साझेदारी शुरू करने का फैसला यह दिखाता है कि यह संगठन खेल, संस्कृति और राजनीति के क्षेत्र में कितनी बड़ी ताकत बन गया है। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो, यूएफसी के प्रेसिडेंट और सीईओ डाना व्हाइट के साथ 11 जून को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। यह कार्यक्रम अमेरिका की 250वीं सालगिरह के जश्न के तहत 14 जून को व्हाइट हाउस में होने वाले 'यूएफसी फ्रीडम 250' से कुछ दिन पहले आयोजित होगा। इसे व्हाइट हाउस में आयोजित होने वाला पहला यूएफसी फाइट कार्ड बताया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, इस ऐतिहासिक फाइट नाइट में इलिया टोपुरिया और जस्टिन गेथजे के बीच चैंपियनशिप का मुख्य मुकाबला होगा, जबकि व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में होने वाले को-मेन इवेंट में एलेक्स परेरा का सामना सिरिल गेन से होगा। यूएफसी की प्रचार सामग्री में इस कार्यक्रम को अमेरिका की 250वीं सालगिरह के जश्न के दौरान आयोजित होने वाला विशेष आयोजन बताया गया है। व्हाइट हाउस में होने वाला यह कार्यक्रम उस खेल के लिए एक यादगार पल माना जा रहा है, जिसे कभी अपनी पहचान और मान्यता पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा था। 1993 में शुरू हुए यूएफसी ने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स को एक ऐसे खेल से, जिसे आलोचक कभी मामूली और हिंसक 'ब्लडस्पोर्ट' (खून-खराबे वाला खेल) कहकर खारिज कर देते थे, बदलकर एक वैश्विक खेल और मनोरंजन कारोबार में तब्दील कर दिया है। आज यूएफसी का मालिकाना हक टीकेओ ग्रुप होल्डिंग्स के पास है, जो वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) की भी मालिक कंपनी है और जिसने हाल ही में पैरामाउंट के साथ सात वर्षों के लिए 7.7 बिलियन डॉलर का अमेरिकी मीडिया अधिकार समझौता किया है। प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप और उनके कई राजनीतिक सहयोगियों के लिए यूएफसी केवल एक खेल संगठन नहीं है। यह युवा पुरुष मतदाताओं जैसे अहम राजनीतिक वर्ग के लिए प्रमुख सांस्कृतिक मंचों में से एक बनकर उभरा है। हाल के यूएफसी कार्यक्रमों में ट्रंप को एलन मस्क, रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर, तुलसी गैबार्ड, मार्को रुबियो, विवेक रामास्वामी और अन्य प्रमुख सहयोगियों के साथ देखा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में उद्धृत इंडस्ट्री डेटा के अनुसार, यूएफसी के लगभग तीन-चौथाई प्रशंसक पुरुष हैं, जिनमें से अधिकांश की उम्र 18 से 44 वर्ष के बीच है। यह वही वर्ग है जिसने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डाना व्हाइट, जिनकी ट्रंप के साथ दशकों पुरानी दोस्ती है, ने कहा कि व्हाइट हाउस कार्यक्रम का मकसद देश की इस खास सालगिरह का जश्न मनाना है। व्हाइट ने 'द हॉलीवुड रिपोर्टर' से कहा, 'यह इतिहास के सबसे शानदार और ऐतिहासिक स्पोर्ट्स इवेंट्स में से एक होगा, और व्हाइट हाउस में प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा इसकी मेजबानी करना अमेरिका की 250वीं सालगिरह के जश्न को लेकर उनके विजन का सबूत है।' व्हाइट ने कहा, 'असल में यह लड़ाई किस बारे में है और हम इसे व्हाइट हाउस में क्यों कर रहे हैं, इसकी वजह यह है कि यह अमेरिका का 250वां जन्मदिन है। रात की पहली लड़ाई से लेकर मुख्य मुकाबले तक, हम अमेरिका की कहानी बताएंगे।'

ओमान के पास एमटी मैरीवेक्स जहाज में लगी भयंकर आग, सभी 24 भारतीय क्रू सुरक्षित

मस्कट, एजेंसी। मस्कट में भारतीय दूतावास ने एमटी मैरीवेक्स पर सवार सभी 24 भारतीय क्रू सदस्यों को पूरी तरह सुरक्षित बचाए जाने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। यह भयानक आग लगने की घटना होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिण में सोमवार को घटी थी जिसके बाद चारों तरफ भारी अफरा-तफरी मच गई थी। दूतावास ने इस त्वरित और बेहद सफल रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए ओमान के अधिकारियों का विशेष रूप से बहुत धन्यवाद किया है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वे ओमानी अधिकारियों की तेज प्रतिक्रिया और क्रू को बचाने के लिए काफी शुक्रगुजार हैं।

इस गंभीर घटना के तुरंत बाद भारत सरकार और संबंधित मंत्रालय भी पूरी तरह से हरकत में आ गए और लगातार मामले पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने स्पष्ट बताया कि सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार अभी तक प्राप्त हुई शुरुआती जानकारी के आधार पर एमटी मैरीवेक्स के सभी भारतीय क्रू मेंबर्स बिल्कुल सुरक्षित हैं। शिपिंग विभाग के डायरेक्टर ओपेश कुमार शर्मा ने कहा कि जहाज पर किसी बाहरी प्रोजेक्टाइल के लगने की पक्की और सटीक जानकारी जुटाई जा रही है।

जहाज के मालिकों से लगातार संपर्क जारी : शिपिंग विभाग और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी जहाज के मालिकों के साथ लगातार अपना संपर्क बनाए हुए हैं और पूरी सच्चाई जानने की कोशिश कर रहे हैं।

ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि वे इस पूरी घटना की गहराई तक जाने के लिए विदेश मंत्रालय और ओमान में भारतीय मिशन के साथ भी संपर्क में हैं। ओमान में भारतीय दूतावास ने एक्स पर विस्तार से बताया कि मिशन इस जहाज से जुड़ी घटना की जांच कर रहा है जिसमें कई भारतीय क्रू सवार थे। वे नाविकों के उचित बचाव और पुख्ता सुरक्षा के लिए ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार अपने गहरे संपर्क में बने हुए हैं। शिपिंग मंत्रालय अपने सभी नाविकों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय और भारतीय नौसेना के साथ बहुत ही बेहतरीन तरीके से समन्वय कर रहा है। भारतीय मिशन भी इस पूरी बचाव प्रक्रिया में अपना महत्वपूर्ण और बेहद सक्रिय योगदान दे रहे हैं। जांच कर रहे अधिकारियों के अनुसार यह एमटी मैरीवेक्स जहाज होर्मुज स्ट्रेट से काफी बाहर था और दक्षिण की दिशा में अच्छी तरह से निकल गया था। इस आपसी बेहतर तालमेल और त्वरित प्रतिक्रिया के कारण ही सभी 24 भारतीय नाविकों को बिना किसी भी बड़े नुकसान के बचाना संभव हो पाया है।

नेतन्याहू से ट्रम्प बोले- संभलकर चलो, वरना अकेले पड़ जाओगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान पर बड़े हमले न करने की सलाह दी है। ट्रम्प को डर है कि अगर जंग बढ़ी तो अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौता खतरे में पड़ सकता है। ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ने के बाद ट्रम्प ने नेतन्याहू से फोन पर बात की। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने उनसे कहा, 'बीबी, संभलकर चलो, नहीं तो बहुत जल्द तुम अकेले पड़ जाओगे।'

ट्रम्प की चिंता है कि इजराइल के हमले अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को पटरी से उतार सकते हैं। उनका मानना है कि दोनों देशों के बीच समझौते की संभावना अभी भी बनी हुई है। तनाव तब बढ़ा जब इजराइल ने बेरूत में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागीं। बाद में इजराइल ने भी ईरान के अंदर सीमित हमले किए।

ईरान-इजराइल में 2 महीने बाद फिर जंग: अप्रैल में हुए सीजफायर के बाद ईरान ने इजराइल पर 30 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। जवाब में इजराइल ने ईरान के सैन्य ठिकानों, एयर डिफेंस सिस्टम और पेट्रोकेमिकल प्लांट पर हमले किए।

भारत ने नागरिकों को ईरान छोड़ने की सलाह दी: बढ़ते सैन्य तनाव के बीच भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी कर भारतीयों से ईरान की यात्रा टालने और वहां मौजूद लोगों से जल्द देश छोड़ने को कहा।

हूती विद्रोहियों ने रेड सी में इजराइली जहाजों की नाकाबंदी का ऐलान किया: यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल से जुड़े जहाजों को निशाना बनाने की चेतावनी दी। इससे वैश्विक समुद्री व्यापार और तेल सप्लाई पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। ईरान-इजराइल टकराव से तेल 3% से ज्यादा महंगा: तनाव बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड 96.75 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 93.89 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। बाजार को होर्मुज स्ट्रेट में सप्लाई बाधित होने का डर है।

ट्रम्प-नेतन्याहू में मतभेद की खबरें: रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प ने नेतन्याहू से ईरान पर पलटवार न करने को कहा। अमेरिकी और इजराइली रुख में मतभेद की चर्चाएं तेज हुईं, जबकि ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ जो भी डील होगी, नेतन्याहू को माननी पड़ेगी।

होर्मुज के पास अमेरिकी अपाचे हेलिकॉप्टर क्रैश, दोनों पायलट सुरक्षित: होर्मुज स्ट्रेट के पास सोमवार को अमेरिकी सेना का एक एएच-64 अपाचे हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, हेलिकॉप्टर में सवार दोनों क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया गया है। हालांकि दुर्घटना की वजह अब तक साफ नहीं हो सकी है। रिपोर्ट के अनुसार, जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि हेलिकॉप्टर ईरानी हमले का शिकार हुआ, किसी तकनीकी खराबी के कारण गिरा या इसके पीछे कोई अन्य कारण था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान से बचने की सलाह दी है। ट्रम्प ने कहा कि अगर इजराइल संघर्ष को और बढ़ाता है तो वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ सकता है। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के बीच ट्रम्प ने नेतन्याहू से फोन पर बात की। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने नेतन्याहू से कहा, 'बीबी, सावधान रहो, नहीं तो बहुत जल्द तुम अकेले पड़ जाओगे।' रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प को चिंता है कि अगर दोनों देशों के बीच लड़ाई और बढ़ी तो अमेरिका-ईरान बातचीत प्रभावित हो सकती है और पूरा क्षेत्र बड़े युद्ध की चपेट में आ सकता है। तनाव तब बढ़ा जब इजराइल ने बेरूत में हिजबुल्लाह से जुड़े ठिकानों पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागीं।

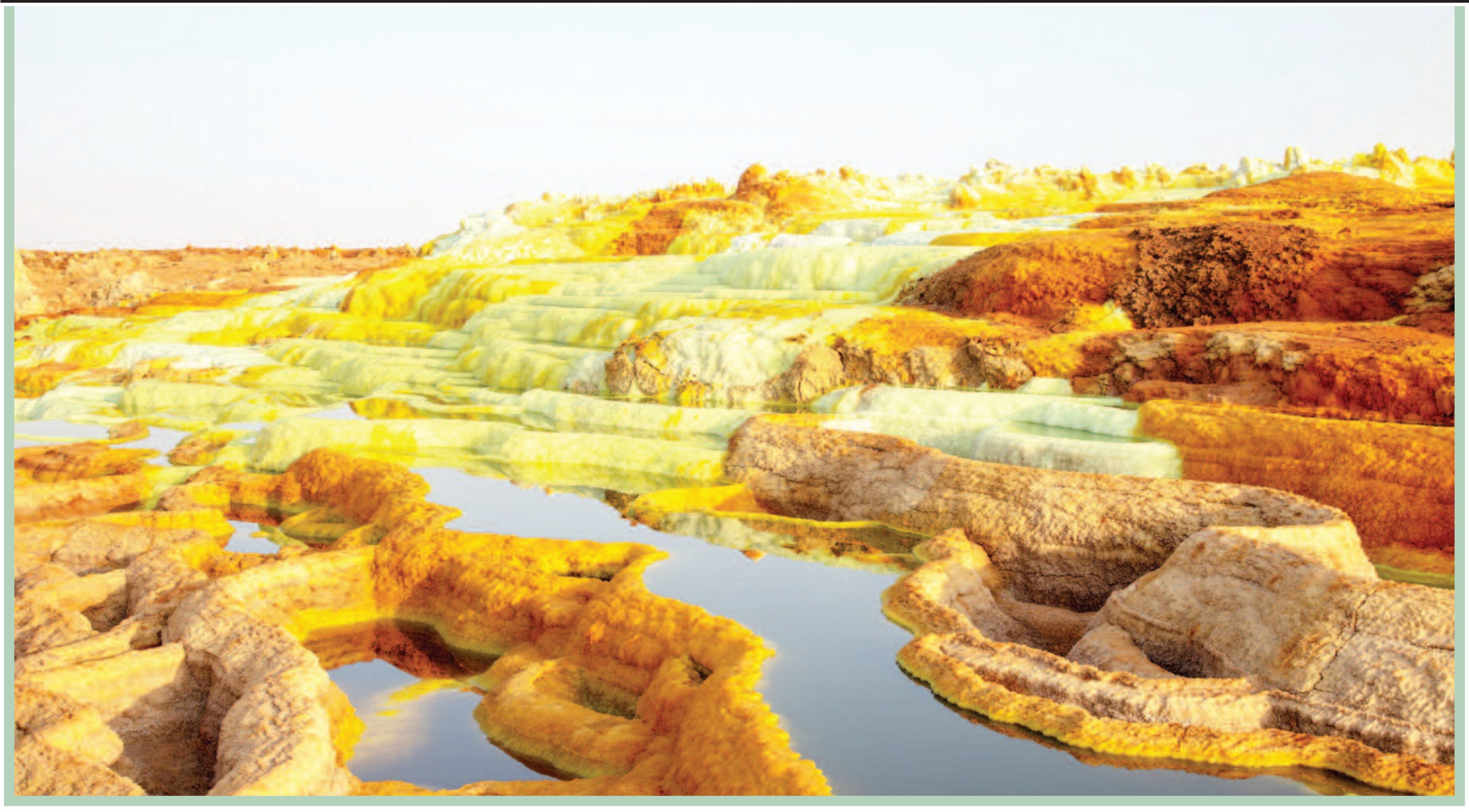

इथियोपिया में जमीन और आसमान से बरसती है आग डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

इस धरती पर सभी जगहें और उनका तापमान एक जैसा नहीं होता है. हर जगह अलग-अलग मौसम और टेंपरेचर देखने को मिलता है. कहीं बहुत ठंड होती है तो कहीं बहुत गर्मी. ऊंचाई, भूमध्य रेखा से दूरी और समुद्री धाराओं के प्रभाव जैसे कई फैक्टर्स के कारण अलग-अलग जगहों पर तापमान अलग-अलग होता है.

पृथ्वी पर सबसे अजीब जगहों और नरक के प्रवेश द्वार और यहां तक कि मौत की भूमि के रूप में जाना जाने वाला दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया के सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में से एक है. गर्म झरने, एसिड पूल, नमक के पहाड़ और भाप से भरी दरारें इसे एक दूसरे ग्रह जैसा बनाती हैं, और यही कारण है कि वैज्ञानिक सौर मंडल के अन्य ग्रहों के बारे में शोध करने के लिए इस स्थान का उपयोग करते हैं.

डानाकिल डिप्रेशन, जिसे अफार त्रिभुज भी कहा जाता है, इथियोपिया में स्थित एक जियोलॉजिकल डिप्रेशन है जो समुद्र तल से लगभग 125 मीटर नीचे है. यह दुनिया के सबसे गर्म और सबसे निचले स्थानों में से एक है, जहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो सकता है. यह क्षेत्र तीन टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर स्थित है, जिसके परिणामस्वरूप ज्वालामुखी गतिविधि और दरार घाटियों का निर्माण होता है.

डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

दानाकिल इथियोपिया के सुदूर नॉर्थ ईस्ट भाग में स्थित जियोलॉजिकल डिप्रेशन अफार ट्रायंगल का एक हिस्सा है, जहां तीन टेक्टोनिक प्लेटें धीरे-धीरे अलग हो रही हैं. यह क्षेत्र लाल सागर का हिस्सा हुआ करता था. समय बीतने के साथ, ज्वालामुखी विस्फोट के कारण समुद्र भाप में बदल गया और उस स्थान से गायब हो गया.

आज से लगभग 50,000 साल पहले, इथियोपिया लाल सागर और अरब सागर से जुड़ा हुआ था, जिससे विशाल एडियन सागर बना था. लेकिन, जलवायु परिवर्तन और भू-आकृति में बदलाव के कारण, एडियन सागर धीरे-धीरे सिकुड़ गया और अंतत: गायब हो गया, जिससे इथियोपिया लैंडलॉक बन गया.

कैसा है यहां का क्लाइमेट

यहां का तापमान बहुत ज्यादा होता है और बारिश बहुत कम होती है. यहां पीले, नारंगी, लाल, नीले और हरे रंग की झीलें देखने को मिलती हैं. इन झीलों में रंग मैग्मा में मौजूद खनिजों और नमक के बीच प्रतिक्रिया से उत्पन्न होते हैं. यानी जब नमक मैग्मा में मौजूद खनिजों के साथ प्रतिक्रिया करता है, तो यह इन खूबसूरत रंगों को जन्म देता है. जैसे ही गर्मी पानी को वाष्पित करती है, जमीन पर रंगीन पपड़ी जैसी परतें विकसित होती हैं, जो रहस्यमय तरीके से डिप्रेशन में ठंडी फिरोजा झीलों के साथ मिल जाती हैं. वहीं, दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया में स्थित एक जगह है जहां सल्फ्यूरिक एसिड से भरी झीलें हैं, जिन्हें एसिड लेक या सल्फ्यूरिक पूल के रूप में जाना जाता है. ये झीलें पृथ्वी पर सबसे गर्म और नमकीन झीलों में से हैं.

अगर आप डानाकिल डिप्रेशन की यात्रा की योजना बना रहे हैं इसे ध्यान में रखें

डानाकिल बहुत गर्म और एसिडिक जगह है, इसलिए अगर आपको वहां कोई गीला तालाब या बुदबुदाता पूल दिखे तो उसमें अपनी उंगली न डुबोएं. इसके साथ ही उस क्षेत्र में चलने के लिए उपयुक्त जूते पहनें, भू-आकृति क्षेत्रों पर सावधानी से चलें, सही रास्ते और कहां कदम रखना है इसका ध्यान रखें, उस जगह पर घूमने के लिए स्थानीय गाइड की मदद लें इस क्षेत्र में घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से मार्च के बीच है. हालांकि, तब भी तापमान बहुत अधिक और असहनीय होता है. दानाकिल डिप्रेशन के लिए दिन की यात्राएं आमतौर पर विक्रो शहर से सुबह 4 :00 बजे के आसपास शुरू होती हैं. इस जगह पर जाने के लिए हेलीकॉप्टर की सवारी भी उपलब्ध है.

शादीशुदा महिलाओं को क्यों पहनने चाहिए चांदी के आभूषण

हिंदू धर्म में आभूषणों को बहुत महत्व दिया जाता है. हिंदू धर्म में विवाहित महिलाओं के लिए सोलह श्रृंगार करना विशेष महत्व रखता है. इन्हीं में से एक है चांदी की पायल, जो आपने ज्यादातर भारतीय महिलाओं के पैरों में देखी होगी. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि शादी के बाद महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं? शास्त्रों में इन्हें पहनने के पीछे विशेष महत्व और लाभ बताए गए हैं, जो हर कोई नहीं जानता. ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं और शास्त्रों में इसके क्या लाभ बताए गए हैं...

शास्त्रों में चांदी को धन, समृद्धि और चंद्रमा का प्रतीक माना जाता है. ऐसे में इस धातु को पहनने से हमारे जीवन और घर में इन सभी चीजों पर भी असर पड़ता है. मान्यता है कि विवाहित महिलाओं के लिए घुंघरू वाली चांदी की पायल पहनना बहुत शुभ होता है. इससे घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है और ससुराल वालों को कभी पैसों की कमी नहीं होती. साथ ही चांदी को शीतलता, शांति और पवित्रता का प्रतीक भी माना जाता है. ऐसे में चांदी की पायल पहनने से शीतलता मिलती है और मन शांत और पवित्र रहता है.

यही कारण है कि वह महिलाएं चांदी की पायल पहनती हैं

ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो बहुत ही मधुर ध्वनि सुनाई देती है. इससे उनके आसपास की नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है और उसकी जगह घर में सकारात्मकता बनी रहती है. साथ ही पायल की आवाज से परिवार के सदस्यों को मानसिक शांति मिलती है. ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनती हैं तो घर में हमेशा खुशियों का माहौल बना रहता है.

इसे विवाहित महिलाओं के सोलह श्रृंगार में से एक माना जाता है और इसे सौभाग्य की निशानी भी माना जाता है. जब महिलाएं चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो इसकी आवाज से आसपास का माहौल खुशनुमा हो जाता है और शरीर से नकारात्मकता भी दूर रहती है. ऐसा माना जाता है कि चांदी की पायल में लगी घुंघरू मन को एकाग्र रखने में मदद करती हैं और घर में सौभाग्य भी लाती हैं. इसी वजह से विवाहित महिलाओं के लिए चांदी की घुंघरू पहनना बहुत फलदायी माना जाता है.

फटी एड़ियों को सॉफ्ट और स्मूद बनाने के आसान घरेलू उपाय

पैरों की देखभाल के लिए हम अक्सर पेडीक्योर करवाते हैं, लेकिन फिर भी बहुत बार पैरों की एड़ियां फट जाती हैं और उनकी त्वचा कठोर हो जाती है। यही नहीं, सर्दी या गर्मी में त्वचा और भी ज्यादा रूखी और ड्राई हो जाती है। इसके बावजूद, सही देखभाल से आप अपनी एड़ियों को सॉफ्ट और मुलायम बना सकती हैं। इसके लिए आपको किसी महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आप फटी एड़ियों को फिर से सॉफ्ट और चिकना बना सकती हैं।

फटी एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए जरूरी सामग्री

वैसलीन – 1 बड़ा चम्मच

नारियल तेल – ड्ड छोटा चम्मच

विटामिन श्व कैप्सूल – 2

पिघला हुआ मोम – थोड़ी सी मात्रा

इन सभी चीजों को एक बाउल में सही अनुपात में डालकर अच्छे से मिला लें। आप चाहें तो इन सामग्रियों को माइक्रोवेव में हल्का गर्म कर सकती हैं या फिर डबल बॉयलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रखें कि मिश्रण हल्का गुनगुना ही रहे, न बहुत गरम हो।

मुलायम और सॉफ्ट एड़ियां बनाने के लिए तरीका

मिश्रण तैयार करने के बाद, इसे अपनी फटी एड़ियों पर अच्छे से लगाएं। इस मिश्रण को कम से कम 20 मिनट तक एड़ियों पर लगा रहने दें ताकि यह त्वचा में अच्छे से समा जाए। 20 मिनट के बाद इसे हल्के हाथों से साफ कर लें।

इस ट्रीटमेंट से मिलने वाले फायदे

यह आपकी एड़ियों को मुलायम, चिकना और शाइनी बनाएगा। स्किन की ड्राईनेस को कम करेगा और त्वचा को नमी देगा। नियमित रूप से इस ट्रीटमेंट के इस्तेमाल से आपके पैरों की त्वचा स्वस्थ और कोमल बनेगी। यह घरेलू उपाय न केवल आपकी एड़ियों को ठीक करता है, बल्कि इससे आपके पैरों की त्वचा को भी कई फायदे होते हैं। तो अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं, तो यह आसान और सस्ते उपाय जरूर आजमाएं और अपने पैरों को दें एक नई जान। अगर आपको यह आर्टिकल पसंद आया हो, तो इसे अपने दोस्तों के साथ जरूर शेयर करें और नीचे दिए गए कमेंट सेक्शन में अपनी राय हमें जरूर बताएं!

रिमझिम बारिश में एक्सप्लोर करें महाराष्ट्र का संगमेश्वर

वीकेंड में बनाएं घूमने का प्लान

महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

महाराष्ट्र हमारे देश का एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। महाराष्ट्र एक ओर से अरब सागर और दूसरी ओर से सतपुड़ा पर्वतमाला से घिरा हुआ है। यह एक ऐसा राज्य है, जो रिमझिम बारिश में पर्यटन हब का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है। महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। वहीं हल्की रिमझिम बारिश में संगमेश्वर की खूबसूरती किसी हसीन खजाने से कम नहीं लगती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको संगमेश्वर की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में संगमेश्वर

संगमेश्वर की खासियत और खूबसूरती बेहद कमाल की है। यह रत्नागिरी में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक जगह है। संगमेश्वर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 284 किमी, पुणे से 247 किमी और कोल्हापुर से करीब 120 किमी दूर है।

क्यों फेमस है संगमेश्वर

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में स्थित संगमेश्वर भले ही एक छोटा सा शहर है, लेकिन यह जगह अपने धार्मिक, ऐतिहासिक महत्व और खूबसूरत पर्यटन स्थलों के लिए पूरे राज्य में फेमस है। खासकर यह जगह संगमेश्वर मंदिर और संगमेश्वर शहर के लिए फेमस है। जोकि भगवान शिव को समर्पित है।

संगमेश्वर महाराष्ट्र का एक ऐसा शहर है, जो शास्त्री नदी और सोनावी नदी के संगम पर स्थित है। इसके चलते यहां पर रिमझिम बारिश में राज्य के हर कोने से लोग घूमने के लिए आते हैं। इस स्थान को रत्नागिरी का छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है। वहीं गमेश्वर वहीं स्थान है, जहां पर औरगंजेब ने छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज को बंदी बनाया था।

पर्यटकों के लिए क्यों खास है ये जगह

संगमेश्वर का इतिहास प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। रिमझिम बारिश में स्थित वॉटरफॉल से लेकर घास के मैदान और नदियों की खूबसूरती इस जगह को बेहद खूबसूरत बनाने का काम करती है। संगमेश्वर की हरियाली देखते ही बनती है।

संगमेश्वर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। शहर की भाग-दौड़ भरी जिंदगी से दूर संगमेश्वर में आप सुकून के कई पल बिताने के लिए पहुंचते हैं। संगमेश्वर अपनी खूबसूरती के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। कई लोग मानसून में यहां पर सिर्फ ट्रेकिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं।

संगमेश्वर मंदिर

संगमेश्वर के सबसे प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में संगमेश्वर मंदिर काफी फेमस है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। पहाड़ी की चोटी पर स्थित होने के कारण पर्यटक यहां घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मंदिर के आसपास से बेहद खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। कर्णेश्वर मंदिर को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं और यह मंदिर भी भगवान शिव को समर्पित है।

मार्लेश्वर वॉटरफॉल

संगमेश्वर के पहाड़ों में स्थित मार्लेश्वर एक फेमस और खूबसूरत वॉटरफॉल है। मानसून में यहां सिर्फ स्थानीय पर्यटक नहीं बल्कि अन्य कई शहरों से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह वॉटरफॉल प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। यहां के आसपास की हरियाली पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है। इसके साथ ही आप छत्रपति संभाजी महाराज की समाधि को एक्सप्लोर करना न भूलें।

जनहित के मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करें : डीएम

मासिक स्टाफ बैठक में जिलाधिकारी ने दिए सुशासन और जनसेवा के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जनपद में प्रशासनिक कार्यों की प्रगति, कानून-व्यवस्था तथा जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा हेतु बुधवार को जिला कार्यालय सभागार में जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में मासिक स्टाफ बैठक आयोजित की गई। न्यायिक एवं राजस्व कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को अपने न्यायालयों में नियमित रूप से बैठकर सुनवाई करने, पुराने एवं नवीन लंबित राजस्व वादों के निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने विभिन्न न्यायालयों में लंबित वादों, राजस्व प्रकरणों, भू-राजस्व एवं अन्य करों की वसूली, अभियोजन मामलों सहित अन्य विभागीय कार्यों की समीक्षा की। जनसुविधा को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी थराली को उप तहसील देवाल में सप्ताह में कम से कम एक दिन नियमित रूप से तहसील संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्रवासियों को राजस्व एवं प्रशासनिक सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकें। जिलाधिकारी ने परिवहन, खनन, खाद्य पूर्ति, आबकारी तथा अन्य विभागों की राजस्व एवं कर वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व वृद्धि के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य करने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने अवैध खनन, ओवरलोडिंग एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नियमित छापेमारी एवं चालानी कार्रवाई जारी रखने को कहा। इसके साथ ही अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही में तेजी लाने तथा नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत नशीले पौधों के चिन्हीकरण एवं विनष्टीकरण की कार्रवाई को प्रभावी ढंग से संचालित करने को कहा। बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, उपजिलाधिकारी राज कुमार पांडे, अबरार अहमद, अलकेश नौड़ियाल, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी सहित तहसीलदार, पटल सहायक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

निष्पक्ष परीक्षा के लिए सख्त इंतजाम, 18 केंद्रों पर विशेष निगरानी

14 जून को होगी यूकेएसएसएससी परीक्षा, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 14 जून 2026 को आयोजित की जाने वाली स्नातक स्तरीय अर्हता परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए जिला प्रशासन चमोली ने सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली हैं।

जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देशानुसार परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जनपद के सभी परीक्षा केंद्रों के केंद्र व्यवस्थापकों को विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट कुमार द्वारा जारी आदेशानुसार जनपद के गोपेश्वर, नन्दप्रयाग, कर्णप्रयाग एवं गौचर क्षेत्र में कुल 18 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन सभी केंद्रों के केंद्र व्यवस्थापकों (सेंटर सुपरिंटेंडेंट) को परीक्षा अवधि के लिए विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट की शक्तियां प्रदान की गई हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-15 तथा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-21 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों के तहत नियुक्त केंद्र व्यवस्थापक अपने-अपने परीक्षा केंद्रों की सीमा के भीतर कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी आपात अथवा अवांछित स्थिति में आवश्यक कार्रवाई करने के लिए अधिकृत होंगे। जिलाधिकारी ने संबंधित परगना उपजिलाधिकारियों को परीक्षा के निर्बाध एवं त्रुटिरहित संचालन हेतु परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 प्रभावी करने के निर्देश दिए हैं। स्नातक स्तरीय अर्हता परीक्षा 14 जून 2026 (रविवार) को प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक आयोजित की जाएगी।

एक नजर

पिथौरागढ़ में नशे में वाहन चलाने पर 11 गिरफ्तार

पिथौरागढ़(आरएनएस)। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने व आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया। एसआई कमलेश चन्द्र जोशी व पुलिस टीम ने वाहन चालकों की जांच की गई। शराब के नशे में वाहन चलाते पाए जाने पर दिनेश सिंह बिष्ट, हरगोविन्द पन्त, पंकज सोलंकी, विनोद मेहता, मनमोहन सिंह व दुर्गा सिंह को मोटर वाहन अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया। भदेलवाड़ा निवासी डीगर सिंह बोहरा को शान्ति व्यवस्था भंग करने पर गिरफ्तार किया है।

प्रधानमंत्री के सफल कार्यकाल पर किया प्रसाद वितरित

काशीपुर। विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण को समर्पित 12 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा ने भारत को विकास, आत्मनिर्भरता और जनकल्याण के नए आयाम प्रदान किए हैं। अंत्योदय के संकल्प को साकार करते हुए केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य निरंतर किया गया है, जिससे करोड़ों देशवासियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। आज प्रधानमंत्री के सफल कार्यकाल, स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना हेतु श्री गुरुद्वारा साहिब एवं बाल सुंदरी माता मंदिर में अरदास एवं पूजा–अर्चना एवं प्रसाद वितरण कर ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं राष्ट्रसेवा के लिए निरंतर ऊर्जा प्रदान करने की प्रार्थना की गई।इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक गुरविंदर सिंह चंडोक, अमित सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज पाल, राम मल्होत्रा, काशीपुर के मेयर दीपक बाली, पूर्व मेयर श्रीमती उषा चौधरी, सुशील शर्मा जी, रजत सिद्धू, राजीव ठुकराल, सृष्टि बंसल, अर्जुन सिंह मानवेंद्र मानस सहित भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता एवं काशीपुर के सम्मानित भाई–बहन उपस्थित रहे।

गंगोलीहाट थाने का सीओ ने निरीक्षण किया

पिथौरागढ़। गंगोलीहाट थाने का सीओ गोविंद बल्लभ जोशी ने अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अभिलेखों, मालखाना, हवालात, शस्त्रागार के साथ ही लंबित विवेचनाओं को लेकर एसएचओ कैलाश चन्द्र जोशी से जानकारी ली। बाद में सीओ ने पुलिस कर्मियों के साथ सम्मलेन कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने कर्मियों को पूर्ण सतर्कता, अनुशासन व जिम्मेदारी के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

बैंक कर्मियों को चियर योगा के आसन बताएं

पिथौरागढ़। जनपद में 12वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को देखते हुए आयुश विभाग का शिविर जारी है। मंगलवार को जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. चंद्रकला भैसोड़ा ने बताया कि नगर के बैंक रोड स्थित जिला सहकारी बैंक मुख्य शाखा में आयोजित शिविर के दौरान कर्मियों को योग से होने वाले शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य लाभ की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें चियर योग के विभिन्न आसन भी बताएं। यहां सहकारी बैंक की महाप्रबंधक वंदना लखेरा, उपमहाप्रबंधक आरती डोबाल, संजीव सिंह, नोडल अधिकारी डॉ. बीपी जोशी, डॉ. हेमलता पायर, रवि पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

साईपोलू में मोबाइल टावर शोपीस

पिथौरागढ़। साईपोलू में निजी कंपनी का मोबाइल टावर लंबे समय बाद भी दुरस्त न होने से यूथ कांग्रेस में रोष व्याप्त है। बुधवार को युकां जिलाध्यक्ष डीडीहाट विक्रम दानू के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने रोष जताते हुए कहा कि मोबाइल टावर को खराब हुए करीब तीन से चार माह हो गए हैं। इससे स्थानीय लोग परेशान हैं। कहा कि अगर किसी ग्रामीण को मोबाइल का इस्तेमाल करना होता है तो उसे करीब 20 से 22 किमी दूर नेटवर्क क्षेत्र का रूख करना पड़ रहा है। दानू ने कहा कि डिजीटल युग में भी ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोग अपनों से बातचीत के लिए जूझ रहे हैं।

दुर्गम क्षेत्र में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर

अल्मोड़ा। जी.आर. चैरिटेबल हेल्थ ट्रस्ट द्वारा विकासखंड स्याल्दे के दुर्गम क्षेत्र शेरू भनेरिया में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में करीब 80 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर के दौरान ग्रामीणों को निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श, रक्तचाप और शुगर की जांच के साथ दवाइयां एवं हेल्थ सप्लीमेंट वितरित किए गए। इसके अलावा थायराइड, गठिया, लीवर और किडनी सहित विभिन्न आवश्यक रक्त जांचों की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। नेत्र परीक्षण के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग किया गया तथा जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क रीडिंग चश्मे वितरित किए गए। शिविर में आई ऑप्टोमेट्रिस्ट खलील अहमद और डॉ. रवि शंकर बलोदी ने स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण कर ग्रामीणों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। ग्रामीणों ने ट्रस्ट की इस पहल की सराहना करते हुए चिकित्सकीय टीम और पदाधिकारियों का आभार जताया। ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश सनवाल ने कहा कि संस्था का उद्देश्य दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों तक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण तथा किफायती स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए भविष्य में भी नियमित रूप से ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि जरूरतमंद लोगों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

उत्तराखंड विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति-2026 जारी

विज्ञान आधारित विकास, नवाचार और आत्मनिर्भर उत्तराखंड को मिलेगा नया आधार

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के क्रम में सूचना प्रौद्योगिकी, सुराज एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा उत्तराखंड विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति-2026 जारी कर दी गई है। इस नीति का उद्देश्य राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित विकास और नवाचार को बढ़ावा देते हुए उत्तराखंड को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है। नई नीति में अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करते हुए स्थानीय आवश्यकताओं एवं चुनौतियों के समाधान के लिए विज्ञान और तकनीक का प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया है। नीति का लक्ष्य आर्थिक विकास, सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए सतत विकास की दिशा में राज्य को आगे बढ़ाना है। इस नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तर पर एक सलाहकार निकाय का गठन किया जाएगा, जो नीति के कार्यान्वयन, अनुश्रवण और मूल्यांकन का कार्य करेगा। इसके साथ ही अनुसंधान एवं नवाचार गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विकेन्द्रीकृत संस्थागत व्यवस्था विकसित की जाएगी। नीति के तहत राज्य, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग को मजबूत बनाने के लिए व्यापक सहयोगात्मक तंत्र विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, निजी क्षेत्र की कंपनियों और स्टार्ट-अप्स में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार (एसटीआई) इकाइयों की स्थापना सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन भी किया जाएगा। नीति के अंतर्गत वैज्ञानिक जानकारी, शोध निष्कर्षों और संसाधनों तक सभी हितधारकों की सुगम पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। सार्वजनिक निधि से संचालित शोध कार्यों से प्राप्त डेटा का डिजिटल भंडारण किया जाएगा तथा इसे सभी हितधारकों तक सुरक्षित और सरल रूप से उपलब्ध कराया जाएगा। भारत सरकार की 'एक राष्ट्र, एक सदस्यता' पहल के माध्यम से शोध और विज्ञान संबंधी अभिलेखागारों तक पहुंच भी उपलब्ध होगी। 'आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड' की अवधारणा को साकार करने के लिए तकनीक के स्वदेशीकरण और स्थानीयकरण को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा।

चुनौतियों के समाधान पर जोर

राज्य में विज्ञान प्रसार के लिए नोडल एजेंसी के रूप में उत्तररखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) कार्य कर रही है। यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत के अनुसार उत्तराखडं वर्तमान में प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन के साथ ही हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र पर बढ़ते दबाव जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। नई नीति इन चुनौतियों के समाधान के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों, शोध संस्थाओं, शिक्षाविदों, उद्योगों और नवप्रवर्तकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगी। प्रो. दुर्गेश पंत के अनुसार यह नीति महिलाओं, ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के निवासियों, सीमांत समुदायों और दिव्यांगजनों को समान अवसर प्रदान करते हुए विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में समावेशी और समान भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

जल उपलब्धता की मैपिंग कर स्थिति का आकलन करें : डीएम

नई टिहरी। डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में जिला समन्वयन समिति और जिला स्तरीय कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि जिन जल स्रोतों में पूर्व में जल उपलब्ध था उनकी भी मैपिंग कर वर्तमान स्थिति का आकलन भी करें। वन विभाग के साथ समन्वय कर कार्ययोजना तैयार कर उसमें वन पंचायतों को भी शामिल करने को कहा गया है।सीडीओ वरुणा अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक ग्राम का एक वन–पेजर तैयार करें, जिसमें बंजर एवं कृषि योग्य भूमि, सिंचित क्षेत्र, निर्धारित समयावधि में किए गए कार्यों का प्रभाव और प्राप्त परिणामों का स्पष्ट विवरण अंकित करें जिससे योजनाओं की प्रगति का प्रभावी मूल्यांकन किया जा सके।उप निदेशक सर्वेश्वर द्वारा जल संरक्षण अभियान की रणनीति की जानकारी देते हुए बताया कि जल संरक्षण अभियान में जनभागीदारी सुनिश्चित करने, सूख रहे जल स्रोतों, सहायक नदियों एवं धाराओं के पुनर्जीवन, जलागम क्षेत्रों के उपचार हेतु योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, भागीरथी मोबाइल ऐप के माध्यम से चिह्नित जल स्रोतों के उपचार के बारे में बताया। बैठक में डीएफओ संदीपा शर्मा, हिम्मोथन सोसाइटी से दर्शन सिंह व दुर्गा प्रसाद, डीसी मिश्रा, किसान विज्ञान केंद्र से डॉ. आलोक येवले, महाबीर सिंह और रोशन लाल आदि मौजूद थे।

चंबा टैक्सी पार्किंग में नगर पालिका बनाएगी 24 दुकानें

नई टिहरी। चंबा नगर पालिका के अंतर्गत चंबा–नई टिहरी सड़क पर बनी टैक्सी पार्किंग की छत पर नगर पालिका 24 दुकानों का निर्माण करेगी। दुकानों में स्थानीय लोगों को व्यवसाय करने का अवसर मिलेगा। पालिका की आय में भी इजाफा होने की उम्मीद है।चंबा बाजार के समीप चंबा–नई टिहरी सड़क के किनारे बनी टैक्सी पार्किंग पर नगर पालिका चंबा करीब 1: 50 करोड़ की लागत से 24 दुकानें बनाने जा रही हैं। योजना को पालिका बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। नगर पालिका लंबे समय टैक्सी पार्किंग के ऊपर दुकानों के निर्माण की योजना पर कार्य कर रही थी लेकिन टैक्सी यूनियन और तकनीकी दिक्कतों के आड़े आने से मामला आगे नहीं बढ़ पा रहा था।वर्तमान समय में टैक्सी स्टैंड

सड़क के किनारे खुले स्थान पर बना है। योजना के मुताबिक पहले टैक्सी स्टैंड पर छत डाली जाएगी। छत पर एक साइज की दुकानों का निर्माण करवाया जाएगा जिसके पालिका दुकानों का किराया निर्धारित कर स्थानीय लोगों को दुकानें किराये देगी। इससे चंबा पालिका की आय में इजाफा होगा। वहीं स्थानीय लोगों को व्यवसाय के नए अवसर मिलेंगे।

धूमधाम से मनाया गया कंडार देवता का प्रकट उत्सव

उत्तरकाशी। बाड़ाहाट क्षेत्र के आराध्य एवं लोक आस्था के प्रतीक कंडार देवता का प्रकट उत्सव बुधवार को जिला मुख्यालय और संग्राली गांव में श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर देवता के दर्शन किए व क्षेत्र की सुख–समृद्धि, खुशहाली और कल्याण की कामना की। जिला मुख्यालय में कंडार देवता के प्रकट उत्सव पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए और पूरे मार्ग में देवता के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। वहीं संग्राली गांव स्थित कंडार देवता मंदिर परिसर में सुबह से ही विशेष पूजा–अर्चना, हवन एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया।

मुर्गी पालन बना आय का सशक्त माध्यम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में रीप के अंतर्गत संचालित सामुदायिक उद्यम नई सफलता की कहानियां गढ़ रहे हैं। विकासखंड पोखरी के अंतर्गत माँ चंडीका सीएलएफ से संबद्ध नानक डेरा स्वयं सहायता समूह, गिरसा द्वारा संचालित सीबीओ लेवल एंटरप्राइज (मुर्गी पालन इकाई) महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका संवर्धन का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है।

समूह की महिला सदस्य संगठित रूप से मुर्गी पालन का व्यवसाय संचालित कर स्थानीय बाजारों के साथ-साथ संस्थागत खरीदारों को भी गुणवत्तापूर्ण चिकन उपलब्ध करा रही हैं। समूह ने हाल ही में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल को 520 किलोग्राम चिकन की आपूर्ति कर लगभग 68 हजार की आमदनी अर्जित की। इससे समूह की महिलाओं की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। मुर्गी पालन इकाई महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में भी आगे बढ़ा रही है।

मुआवजा व पुल निर्माण के लिए प्रभावितों ने की नारेबाजी

उत्तरकाशी। मोरी क्षेत्र में टौंस नदी पर निर्मित 60 मेगावाट सतलुज जल विद्युत परियोजना से प्रभावित ग्रामीणों का धरना–प्रदर्शन बुधवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों ने मौके पर जमकर नारेबाजी की। नैटवाड़ और गैंचवाण गांव के प्रभावित परिवार अधिग्रहित कृषि भूमि का मुआवजा, खेती सुरक्षा के लिए सुरक्षात्मक कार्य, चरान–चुगान पर लगाए गए प्रतिबंध हटाने की मांग कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने टौंस नदी पार स्थित कृषि भूमि तक पहुंच के लिए पुल निर्माण की मांग की है। धरना स्थल पर एकत्र ग्रामीणों ने परियोजना प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए समस्या हल करने की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि बैराज निर्माण के लिए उनकी 27 नाली कृषि भूमि अधिग्रहित की गई थी। इसके अलावा परियोजना निर्माण के दौरान कंपनी ने नदी पार स्थित लगभग 200 नाली से अधिक कृषि भूमि तक पहुंच के लिए पुल निर्माण, खेती की सुरक्षा हेतु सुरक्षा दीवार बनाने तथा पशुओं के चरान–चुगान पर किसी प्रकार की रोक–टोक न लगाने का आश्वासन दिया था। प्रभावित परिवारों का आरोप है कि परियोजना का निर्माण कार्य दो वर्ष पूर्व पूरा हो चुका है।

होटलों और होम स्टे में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण

अल्मोड़ा। अग्निशमन विभाग ने रानीखेत क्षेत्र के विभिन्न होटल और होम स्टे प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संचालकों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। अग्निशमन अधिकारी गणेश चंद्र ने बुधवार को द करूजिंग मोंक, द हॉलिडे होम स्टे, हैरिटेज होम स्टे तथा शिवानी फूड एंड रिसोर्ट में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिष्ठानों में उपलब्ध अग्निशमन यंत्रों की कार्यशीलता, आपातकालीन निकास मार्गों की व्यवस्था, विद्युत कनेक्शनों की सुरक्षा तथा अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण–पत्र की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान संचालकों और कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में त्वरित कार्रवाई, प्रारंभिक अग्निशमन उपकरणों के सही उपयोग तथा विभिन्न अग्नि सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने और आपात स्थितियों के लिए तैयार रहने के प्रति जागरूक किया गया।

बैग बदलने की गलती से गायब हुए 1.67 लाख

रानीखेत। बाजार क्षेत्र से गायब हुआ 1.67 लाख की नकदी से भरा बैग रानीखेत पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बरामद कर उसके स्वामी को सकुशल सौंप दिया। बैग समान दिखने वाले दूसरे बैग से अनजाने में बदल जाने के कारण गायब हुआ था। पुलिस के अनुसार ग्राम तनवानी, भैंसोली, पोस्ट मजखाली निवासी चन्दन सिंह ने बुधवार, 10 जून को कोतवाली रानीखेत में सूचना दी कि वह स्टेट बैंक की मजखाली शाखा में 1.67 लाख जमा कराने जा रहे थे। बैंक पहुंचने से पहले वह रानीखेत बाजार में खरीदारी के लिए रुके, जहां उनका नकदी से भरा बैग कहीं गायब हो गया। काफी तलाश के बाद भी बैग का पता नहीं चलने पर उन्होंने पुलिस से मदद मांगी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक भुवन चन्द्र जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम सक्रिय हो गई। उप निरीक्षक फिरोज खान और कांस्टेबल कमल गोस्वामी ने बाजार क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान पुलिस ने बैग को चौकुनी मौना क्षेत्र की एक महिला के पास से बरामद कर लिया। पूछताछ में महिला ने बताया कि उनके पास भी इसी तरह का बैग था और दोनों बैग अनजाने में बदल गए थे। पुलिस ने बैग में रखी नकदी और अन्य सामान की जांच कर रुपये गिनवाने के बाद बैग उसके वास्तविक स्वामी चन्दन सिंह को सौंप दिया।

प्रथम दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति ने की समीक्षा बैठक

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में गणित विभाग के सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में दीक्षांत समारोह के लिए गठित विभिन्न समितियों के अध्यक्षों और अधिकारियों से तैयारियों की प्रगति पर चर्चा की गई। बैठक का संचालन कुलसचिव डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट ने किया। कुलपति प्रो. बिष्ट ने कुलाधिपति द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह एक गरिमामय शैक्षणिक आयोजन के रूप में संपन्न होना चाहिए, जिसके लिए सभी समितियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह स्थानीय

संस्कृति और परंपराओं के अनुरूप आयोजित किया जाएगा तथा सभी समितियां अपनी जिम्मेदारियों के अनुसार तैयारियां जारी रखें। कुलपति ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों और समिति सदस्यों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। बैठक से पूर्व कुलपति ने स्वामी विवेकानंद सभागार का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आयोजन स्थल पर समय से सफाई, झाड़ियों की कटाई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में परीक्षा नियंत्रक प्रो. पंकज कुमार साह, दीक्षांत समारोह के संयोजक प्रो. डी.के. भट्ट, परिसर निदेशक प्रो. प्रवीण सिंह बिष्ट सहित विभिन्न संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष और दीक्षांत समारोह से संबंधित समितियों के संयोजक एवं सदस्य उपस्थित रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

रुतुराज ने बनाया रिकार्ड, लिस्ट ए क्रिकेट में नंबर वन औसत वाले बल्लेबाज बने

मुम्बई (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने भारत ए की ओर से श्रीलंका ए के खिलाफ पहले ही मैच में शतकीय पारी खेलकर एक नया रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस शतकीय पारी के साथ ही रुतुराज लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे अधिक औसत वाले विश्वक के नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं। यहां तक कि सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली भी इस मामले में उनसे कहीं पीछें हैं।

गौरतलब है कि लिस्ट ए प्रारुप उन सभी घरेलू 40 से 60 ओवर के मैचों, अंतरराष्ट्रीय एक दिवसीय मुकाबलों और अंतरराष्ट्रीय ए टीमों के बीच खेले गए मैचों की जानकारी देत है। इस प्रारुप में रुतुराज गायकवाड़ छाये हुए हैं। 100 लिस्ट ए मैचों की 96 पारियों में उनके नाम 59.32 की औसत से कुल 5161 रन हैं। इस दौरान उनके नाम 20 शतक और 19 अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 220 रन नाबाद रहा है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि वह कितने निरंतर और प्रभावी बल्लेबाज हैं।

इससे वह विराट से भी आगे निकल गये हैं। विराट का लिस्ट ए क्रिकेट में औसत 57.91 है। विराट ने अपने करियर (2006 से अब तक) में 347 लिस्ट ए मैच खेलते हुए 334 पारियों में 16447 रन बनाए हैं, जिसमें 59 शतक और 86 अर्धशतक शामिल हैं। आंकड़ों में भले ही कोहली के रन और शतक कहीं अधिक हों पर औसत की आती है तो गायकवाड़ ने उन्हें पछाड़ दिया है। वहीं तेंदुलकर, जिनके नाम कई रिकॉर्ड हैं, वे इस विशिष्ट औसत सूची के शीर्ष 5 में भी शामिल नहीं हैं, जिससे पता चलता है कि गायकवाड़ की उपलब्धि की बड़ी है। दुनिया के अन्य दिग्गज बल्लेबाज भी इस सूची में उनसे काफी पीछे हैं।

रुतुराज के बाद दूसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जबकि तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज माइकल बेवन का नाम आता है। बेवन ने 1989 से 2006 के बीच 427 मैचों की 385 पारियों में 57.86 की शानदार औसत से 15103 रन बनाए थे, जिसमें 13 शतक और 116 अर्धशतक शामिल थे। चौथे पायदान पर इंग्लैंड के सैम हेन हैं, जिन्होंने 2013 से 2023 के बीच कुल 64 मैचों की 62 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 57.76 की औसत से 3004 रन बनाए और 10 शतक जड़े। इस सूची में पांचवें भारतीय नाम चेतेश्वर पुजारा का है, जिनकी 130 मैचों की 127 पारियों में 57.01 की औसत से 5759 रन हैं, जिसमें 16 शतक और 34 अर्धशतक शामिल हैं।

फीफा विश्वकप से पहले हुए मुकाबले में मेसी के गोल से अर्जेन्टीना ने आइसलैंड को हराया

अलबामा (एजेंसी)। स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेन्टीना ने फीफा विश्वकप से पहले अपने दोस्तान मैच में आइसलैंड को 3-0 से हरा दिया। इस जीत से टीम का उत्साह बढ़ा है। इससे मेसी की फिटनेस पर उठे सवाल भी समाप्त हो गये। मांसपेशियों की चोट से उबरने के बाद मैदान पर लौट रहे मेसी ने मुकाबले की शुरुआत स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में की, लेकिन जब वह मैदान पर उतरे तो उन्होंने अपनी क्षमता का भरपूर प्रदर्शन किया।

मेसी 70 वें मिनट में मैदान पर उतरे, जिससे स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह भर गया। उनके मैदान पर आने के केवल दो मिनट बाद ही, 72वें मिनट में लोटारो मार्टिनेज के खिलाफ फाउल के लिए मिली पेनल्टी को उन्होंने गोल में बदल दिया। यह गोल उनकी शानदार फिटनेस और खेल कौशल का प्रमाण था, और इसने यह संकेत भी दिया कि वह एक बार फिर विश्व कप के बड़े मंच पर चमकने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

अर्जेन्टीना की टीम आइसलैंड के खिलाफ इस मुकाबले में पूरी तरह से हावी रही। मेसी के आने से पहले ही टीम ने दो अन्य गोल दागकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली थी, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और बढ़ा। पूरी टीम ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया, जिससे विपक्षी टीम को वापसी का कोई मौका नहीं मिला। इस जीत ने टीम को विश्व कप से पहले एक मजबूत मंच प्रदान किया है।

भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच ने जसप्रीत बुमराह की जमकर तारीफ की, कहा– इसीलिए वह नंबर वन हैं

लंदन (एजेंसी)। भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को एक खिलाड़ी के तौर पर उनके विकास का श्रेय दिया जाना चाहिए। उन्होंने 2013 में IPL में आने के बाद से अब तक जिस तरह से खुद को बेहतर बनाया है, वह काबिले-तारीफ है। दुनिया में बहुत कम ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने तीनों फॉर्मेट में इतना बड़ा असर डाला है। 2016 में अपने इंटरनेशनल डेब्यू के बाद से बुमराह तेजी से भारत के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक बन गए हैं। बारबाडोस में भारत की 2024 मेन्स ङ्20 वर्ल्ड कप जीत में बुमराह ने 15 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने गए। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'एक खिलाड़ी के तौर पर बुमराह ने जिस तरह से खुद को बेहतर बनाया है, उसके लिए उन्हें श्रेय दिया जाना चाहिए। वह बहुत फोकस्ड हैं। उन्हें अपने खेल की अच्छी समझ है। वह हमेशा बेहतर करने की कोशिश करते रहते हैं। इसीलिए वह नंबर वन हैं। वह तीनों फॉर्मेट में दुनिया के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों को सिर्फ खेले गए मैचों की संख्या से नहीं आंकना चाहिए, बल्कि यह भी देखना चाहिए कि उन्होंने तीनों फॉर्मेट में कैसा असर डाला है।' उन्होंने कहा, 'दुनिया में बहुत कम गेंदबाज ऐसे हैं जो तीनों फॉर्मेट में इतना असर डालते हैं। टी20, वनडे और टेस्ट में उनके आंकड़े उनकी मेहनत और लगन को दिखाते हैं। वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जिन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद है। वह आसानी से हार नहीं मानते और गेंद को छोड़ते नहीं हैं।' पूर्व कोच ने बुमराह के लीडरशिप रोल को पसंद करने पर भी खुशी जताई जिन्होंने अब तक तीन टेस्ट मैचों में कप्तानी की है। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'उन्हें टीम की कप्तानी करना भी पसंद आने लगा है और मैं इस बात से बहुत खुश हूं। वह सिर्फ अपने खेल पर ही ध्यान नहीं देते, बल्कि सबको साथ लेकर चलते हैं। वह समझते हैं कि उनकी भूमिका दूसरों को तैयार करने और उनकी मदद करने की भी है और उन्होंने इसे बहुत अच्छे से निभाया है। यह सिर्फ देश के लिए मैच जीतने की बात नहीं है। यह हर किसी पर अपनी छाप छोड़ने की बात है।'

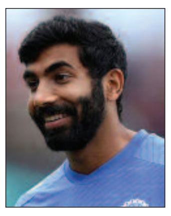

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: हैरी ब्रूक नंबर वन, शुभमन गिल टॉप-10 में शामिल

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी ताजा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। हैरी ने अपने ही साथ ही खिलाड़ी और पूर्व कप्तान जो रूट को पीछे छोड़ा है। रुट अब दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। वहीं भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल दो स्थान के लाभ के साथ ही आठवें स्थान पर पहुँच गए हैं, जिससे उन्होंने शीर्ष 10 में अपनी जगह और मजबूत की है।

ब्रूक ने यह शानदार उपलब्धि न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैच में हासिल की, जहाँ इंग्लैंड ने 115 रनों से शानदार जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले की पहली पारी में ब्रूक ने महत्वपूर्ण 56 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी। वहीं रूट को लॉर्ड्स टेस्ट खराब प्रदर्शन का नुकसान हुआ है। वह इस मैच में एक और आठ रन ही बना सके। इस निराशाजनक प्रदर्शन के परिणामस्वरूप, रूट दो स्थान खिसककर पहले से सीधे तीसरे स्थान पर आ गए हैं।

दूसरी ओर भारतीय टीम के शुभमन ने रैंकिंग में अच्छी छलांग लगाई है। अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में शानदार शतक जड़ने के बाद शुभमन दो स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर आ गए हैं।

रैंकिंग में अन्य महत्वपूर्ण बदलावों में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ चौथे स्थान पर बने हुए हैं। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस एक स्थान के फायदे के साथ पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह छठे पायदान पर खिसक गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा सातवें स्थान पर कायम हैं। भारत के उभरते सितारे यशस्वी जायसवाल को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह नौवें स्थान पर हैं, वहीं श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल एक पायदान ऊपर चढ़कर दसवें स्थान पर पहुँच गए हैं।

फीफा विश्व कप 2026 में किसी भी भूमिका को निभाने तैयार हैं इबानेज

सेन डियागो ।ब्राजील फुटबॉल टीम में शामिल डिफेंडर रोजर इबानेज ने कहा वह फीफा विश्व कप 2026 में राइट–बैक सहित किसी भी जगह पर खेलने के लिए भी तैयार हैं।वेस्ली फ्रैंका के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल इबानेज आम तौर पर सेंटर–बैक के तौर पर खेलते हैं पर अब टीम की जरुरतों के अनुसार दूसरी जिम्मेदारी भी निभाने को तैयार हैं।इबानेज के अनुसार देश की ओर से खेलना सबसे बड़ी बात है।इसलिए वह इस टूर्नामेंट को लेकर बेहद उत्साहित हैं।उन्होंने कहा कि वह कि टीम की जरुरत को सबसे आगे मानते हैं और उनको जो भी भूमिका दी जाएगी उसे निभा सकते हैं।वहीं अभ्यास मैच में चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हुए वेस्ली के बाद टीम में राइट–बैक के तौर पर किसे उतरा जाये ये सबसे बड़ा सवाल बना है। अनुभवी और भरोसेमंद खिलाड़ी डैनिलो को इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त दावेदार माना जा रहा है पर अब इबानेज भी एक प्रभावी विकल्प तौर पर सामने आए हैं, जिन पर चयनकर्ता गंभीरता से विचार कर सकते हैं। इस मामले को लेकर इबानेज ने कहा, मेरी पोजीशन तय करना कोच का काम है। मैं सिर्फ इतना जानता हूं कि जहां भी टीम को मेरी जरूरत होगी, मैं वहां खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सबसे बड़ी बात और सम्मान का विषय है।' यह बयान टीम के प्रति उनके गहरे समर्पण को दिखाता है।सऊदी अरब के क्लब अल अहली से जुड़ें इबानेज ने टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी डैनिलो की भी जमकर तारीफ की।

धोनी को इस कारण नहीं मिल पाया टी20 में सर्वश्रेश्ठ खिलाड़ी अवार्ड

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम कई रिकार्ड है।धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने पहला टी20 खिताब जीत था। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,000 से अधिक रन है पर प्रशंसकों को ये जानकर हैरानी होगी कि इसके बाद भी धोनी को अपने करियर के दौरान टी20 प्रारुप में एक बार भी मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला।इसका कारण ये रहा कि धोनी ने हमेशा ही टीम की जीत को निजी उपलब्धियों से अधिक महत्व दिया और उसी अनुसार फैसले लिए।साल 2004 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद धोनी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा ओर वह सबसे अच्छे विकेटकीपर बल्लेबाज और मैच फिनिशर के तौर पर उभरे। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से कुल 538 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 44.96 के बेहतरीन औसत से 17,266 रन बनाए।इसमें 16 शतक और 108 अर्धशतक शामिल हैं।98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के अपने करियर में धोनी ने 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए।इस दौरान कई बार उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भारतीय टीम को कठिन हालातों से निकाकर जीत दिलायी हालांकि इसके बाद भी उन्हें एक बार भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला।इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण ये है कि टी20 क्रिकेट में धोनी अधिकतर नंबर 5, 6 या 7 पर बल्लेबाजी करने आते थे, जहां उन्हें आमतौर पर 10 से 15 गेंदें ही खेलने को मिलती थीं।ऐसी स्थिति में भले ही धोनी ने कई बार छोटी, तेज और मैच विजेता पारियां खेलीं है पर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड आमतौर पर ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पास चला जाता है। वहीं सबसे बड़ा कारण ये रहा है कि धोनी ने हमेशा ही अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों की जगह पर टीम की जीत को महत्व दिया है। इसी कारण कई अवसरों पर उन्होंने अपनी जगह युवा बल्लेबाजों को खेलने के लिए ऊपरी क्रम में भेजा है।इससे धोनी ने साबित किया है कि एक कप्तान के तौर पर उनके लिए टीम को खिताबी जीत दिलाना व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक आगे है 1 अवॉर्ड भले ही उन्हें नहीं मिला पर एकदिवसीय और टेस्ट प्रारुप में उन्हें कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला है।एकदिवीसय क्रिकेट में धोनी को रिकॉर्ड 21 बार जबकि टेस्ट क्रिकेट में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है।

आईसीसी ने लॉर्ड्स और गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक बताया

–नकारात्मक अंक भी दिये

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने लंदन के प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान के अलावा लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक करार दिया है। इसके साथ ही इन दोनों को नकारात्मक अंक भी दिये हैं। आईसीसी ने इन स्टेडियमों की पिच और आउटफील्ड को मॉनिटरिंग प्रक्रिया के तहत एक-एक नकारात्मक अंक भी दिया है। आईसीसी ने ये कदम मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट (लॉर्ड्स) और ग्रीम ला ब्रूय (गद्दाफी स्टेडियम) से मिली रिपोर्टों के बाद उठाया है। इन रिपोर्टों में मैच अधिकारियों और दोनों टीमों के कप्तानों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर पिच की गुणवत्ता को निचले दर्जे का बताया है। लॉर्ड्स में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच के अलाव लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए तीसरे एकदिवसीय मैच की पिचों को इस्तेमाल की गई पिचें बताया गया है।

लॉर्ड्स की पिच पर गेंदबाजों को अत्यधिक सहायता मिली। यहां गेंद में असामान्य उछाल और जरुरत से ज्यादा सीम मूवमेंट दिख। मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कई गेंदें अपेक्षा से अधिक नीची रह रही थीं, जिससे बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी हो गयी। उन्होंने कहा, पूरे टेस्ट में बहुत ज्यादा सीम मूवमेंट था और कई अवसरों पर गेंद बहुत नीचे भी रही। पूरी दिन पिच में बदलाव दिखे। पहले दिन जहां 16 विकेट वहीं दूसरे दिन 17 विकेट गिरे। इससे गेंद और बल्ले के बीच का संतुलन खराब हुआ।। इस मैच के शुरुआती दो दिनों में ही 33 विकेट गिर गए थे, जिनमें से अधिकांश विकेट बोल्ड या एलबीडब्ल्यू के रूप में गिरे थे, जो पिच के असंतुलित होने का स्पष्ट संकेत था।

वहीं इसी प्रकार लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को भी एकदिवसीय मैच के लिए सही नहीं पाया गया। मैच रेफरी ग्रीम ला ब्रूय ने अपनी रिपोर्ट में कह कि पिच बहुत धीमी और नीची थी, जिससे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना बेहद कठिन हो गया था। उन्होंने कहा, पिच धीमी और नीची थी और रन बनाना बहुत मुश्किल था। इस प्रकार यह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए सही नहीं थी। इन मुकाबलों में आकर्षण नहीं था जिससे दर्शक भी निराशा हुए। अब यदि यदि इन स्टेडियमों की पिचों को अगले पांच साल के अंदर और नकारात्मक अंक मिलते हैं तो ये उन पर अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी भी नहीं कर पायेंगी।

अभिमन्यु मिथुन हैं : भारतीय घरेलू क्रिकेट के अद्वितीय रिकॉर्डधारी

मुम्बई ।क्रिकेटर अभिमन्यु मिथुन के नाम घरेलू क्रिकेट में उनके नाम एक ऐसा अद्वितीय रिकॉर्ड दर्ज है, जो किसी अन्य भारतीय खिलाड़ी के पास नहीं है।वह घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रमुख प्रारूपों – रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं।मिथुन ने अपनी तेज गेंदबाजी से विभिन्न टीमों के खिलाफ यह कमाल किया है।रणजी ट्रॉफी में उन्होंने उत्तर प्रदेश के विरुद्ध, विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु के खिलाफ और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के सामने यह उपलब्धि हासिल की।यह दर्शाता है कि उनकी निरंतरता और विकेट लेने की क्षमता विभिन्न प्रारूपों में कितनी प्रभावी रही।उनका यह अनूठा रिकॉर्ड उनकी प्रतिभा और समर्पण का प्रमाण है, जिसने उन्हें घरेलू क्रिकेट में एक विशिष्ट स्थान दिलाया।भारतीय टीम के लिए हालांकि उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले।अभिमन्यु मिथुन ने भारत के लिए कुल 4 टेस्ट और 5 एकदिवसीय मैच खेले, जिनमें उन्होंने कुल 12 विकेट अपने नाम किए।उनका अंतरराष्ट्रीय पदार्पण 2010 में हुआ था, जहां उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ गाले में अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट झटके थे।उसी साल उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में एकदिवसीय क्रिकेट में भी कदम रखा।उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ था, जिसके बाद उनका भारतीय टीम का सफर थम गया।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सीमित अवसरों के बावजूद, अभिमन्यु का घरेलू करियर शानदार रहा।उन्होंने कर्नाटक के लिए 300 से अधिक फर्स्ट क्लास विकेट लिए, जो उनकी लंबी और प्रभावी करियर का प्रमाण है।इसके अलावा, उनके नाम टी20 क्रिकेट में एक ओवर में 5 विकेट लेने का असाधारण रिकॉर्ड भी दर्ज है।यह कारनामा उन्होंने 2019 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में हरियाणा के खिलाफ किया था।उस मैच में उन्होंने पारी के अंतिम ओवर की पहली चार गेंदों पर लगातार चार विकेट लिए और अंतिम गेंद पर पांचवां विकेट लेकर अपनी टीम कर्नाटक को जीत दिलाई।यह उपलब्धि किसी भी गेंदबाज के लिए अविश्वसनीय मानी जाती है।

इंग्लैंड वर्ल्ड कप जीतने का बड़ा दावेदार नहीं, कोच ने दिया चौंकाने वाला बयान

न्यूयॉर्क ।इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल ने 2026 FIFA वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम को दावेदारों में से एक मानने की बात को कम करके आंका।उन्होंने कहा कि 'थ्री लायंस' (इंग्लैंड टीम) को छह दशकों से कोई खिताब न जीतने के बाद सबसे बड़े मंच पर खुद को साबित करना होगा। रिपोर्ट के अनुसार ट्यूशेल बुधवार को ऑरलैंडो में कोस्टा रिका के खिलाफ इंग्लैंड के आखिरी वार्म–अप मैच से पहले प्रेस को संबोधित कर रहे थे। यह मैच शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 1–0 की मुश्किल जीत के बाद हो रहा है।जब ट्यूशेल से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड टूर्नामेंट जीतने वाली टीमों में शामिल है, तो उन्होंने जवाब दिया, 'कितने दावेदार हैं? हम सबसे बड़े दावेदार नहीं हैं।हम ऐसा हो भी नहीं सकते क्योंकि हमने इतने सालों से इसे नहीं जीता है।टूर्नामेंट में ऐसी टीमें हैं जो पहले जीत चुकी हैं और ज्यादा सफल रही हैं।' कोच ने कहा, 'हम मुकाबला करते हैं, बड़े सपने देखते हैं और जानते हैं कि इसके लिए क्या चाहिए।जिम्मेदारी कोशिश करने पर है और हमारा ध्यान उसी पर है।हम खुद को कॉम्पिटिटर और चैलेंजर के तौर पर देखते हैं।हम आखिर तक जाना चाहते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम बहुत बड़े दावेदार हैं।' ट्यूशेल ने हैरी केन को इंग्लैंड का कप्तान और आर्सेनल के मिडफील्डर डेक्लान राइस को उप–कप्तान बनाने के फैसले पर भी बात की।ट्यूशेल ने कहा, 'डेक्लान और हैरी वो दो खिलाड़ी हैं जिनके पास आर्मबैंड है।हैरी हमारे कप्तान हैं – इसमें कोई शक नहीं। और डेक्लान हमारे दूसरे कप्तान हैं।जब हैरी कैंप में नहीं थे और वेल्स के खिलाफ नहीं खेले थे, तो हमारे पास एक विकल्प था और मैंने तुरंत डेक्लान को यह जिम्मेदारी देने का फैसला किया।' इंग्लैंड के कोच ने कहा कि राइस का 'फुटबॉल IQ बहुत अच्छा है।वह फॉर्मेशन और स्ट्रक्चर, तालमेल और हमारे खेल की लय का ध्यान रखते हैं।आर्सेनल के साथ उनके दो शानदार सीजन रहे हैं... वह इस समय यूरोप के सबसे अच्छे मिडफील्डरों में से एक हैं और उनमें बहुत आत्मविश्वास है। इसीलिए वह मेरे उप–कप्तान हैं।' कोच ने यह भी कहा कि इंग्लैंड कैंप में अभी शांत माहौल है।उन्होंने समझाया, 'तनाव स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा, खासकर जब हम कंसास जाएंगे और फिर पहले मैच की तैयारी के लिए चार दिन मिलेंगे।' इंग्लैंड 17 जून को क्रोएशिया के खिलाफ अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगा।

सिंधु जीती, तन्वी ने पांचवीं वरीय खिलाड़ी को हराकर किया उलटफेर

सिडनी (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु की अगुआई में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया जबकि तन्वी शर्मा भी उलटफेर करने में सफल रहीं। तीसरी वरीय सिंधु, तन्वी, मालविका बंसोड, ईशारानी बरुआ और तान्या हेमंत सभी ने राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ियों के लिए हालांकि बुधवार का दिन खराब रहा जब किरण जॉर्ज, थारुन मान्नेपल्ली और क्वालीफायर सनीथ दयानंद पहले दौर में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

सिंधु ने महिला एकल के पहले दौर के एकतरफा मुकाबले में पेरू की इनेस लूसिया कास्टिलो सालाजार को सीधे गेम में सिर्फ 32 मिनट में 21-13, 21-11 से हराया। सिंधु अगले दौर में हमवनत ईशारानी से भिड़ेंगी जिन्होंने एक घंटा तीन मिनट चले कड़े मुकाबले में चीन की हान कियान को 22-20, 10-21, 21-14 से शिकस्त दी।

दिन का सबसे बड़ा उलटफेर 17 साल की तन्वी ने किया जिन्होंने पांचवीं वरीय और दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी चीनी ताइपे की च्यु पिन चियान को 45 मिनट में 21-12, 22-20 से शिकस्त दी। दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी अगले दौर में साथी भारतीय खिलाड़ी मालविका से भिड़ेंगी जिन्होंने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए थाईलैंड की तोंरुंग सेहेंग को 15-21, 21-7, 21-13 से हराया।

तान्या ने अमेरिका की इशिका जायसवाल को 39 मिनट में 21-17, 21-18 से हराया। वह अगले दौर में थाईलैंड की दूसरी वरीय और दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ेंगी। पुरुष एकल में किरण को कड़े मुकाबले में मलेशिया के जस्टिन हो के खिलाफ एक घंटा दो मिनट में 19-21, 21-14, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। क्वालीफायर दयानंद भी चीन के हू झिआन के खिलाफ सिर्फ 35 मिनट में 8-21, 10-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

थारुन उलटफेर करने के करीब पहुंचे लेकिन अंततः उन्हें दूसरे वरीय और दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के लिन चुन यी के खिलाफ एक घंटा 20 मिनट में 21-18, 13-21, 23-25 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मिश्रित युगल में ध्रुव रावत और मनीषा के ने लिन जेडन और विक्टोरिया जोनाडी की ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी को 27 मिनट में 21-13, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मोहित जगलान और लक्षिता जगलान को हालांकि गुओ शिन वा और चेन फेंग हुइ की चीन की दूसरी वरीय जोड़ी के खिलाफ सिर्फ 20 मिनट में 6-21, 5-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

फरहान की कप्तानी में 2026 एशियाई खेलों में उतरेगी पाकिस्तान टीम, बाबर, रिजवान सहित चार अनुभवी खिलाड़ियों को नहीं मिली जगह

लाहौर।युवा बल्लेबाज साहिबजादा फरहान की कप्तानी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम आगामी एशियाई खेलों में उतरेगी। एशियाई खेल जापान के आइची प्रांत और नागोया शहर में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जाएंग। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इन खेलों के लिए अपनी जो 15 सदस्यी टीम घोषित की है।उसमें कई अनुभवी खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है।टीम में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, शाहीन अफरीदी और कप्तान सलमान अली आगा को शामिल नहीं किया गया है।इस प्रकार देखा जाये तो टीम में अधिकतर नये खिलाड़ी हैं।इसमें चार अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल हैं। चार खिलाड़ियों ने तो अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण तक नहीं किया है।फरहान को टी20 विश्व कप 2026 में अच्छे प्रदर्शन के कारण कप्तानी दी गयी है।